जालंधर की बिटिया और मिस ग्रैंड इंडिया रेचल गुप्ता ने थाईलैंड के बैंकॉक में हो रहे मिस ग्रैंड इंटरनेशनल 2024 ने भारत को रिप्रजेंट किया।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:174 दिनांक:27-10-2024 रविवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

राहुल गांधी ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच से जुड़े मामले का हवाला देते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि जिन लोगों को आम भारतीय नागरिकों और उनके निवेश की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है,

बम की फर्जी धमकियों के खिलाफ सरकार का एक्शन

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को धमकियों की सूचना जल्द हटाने के निर्देश

नई दिल्ली (ईएमएस)। विमानों को मिल रही बम की धमकियों के खिलाफ इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। सरकार ने साथ ही कहा है कि यदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स अपनी जिम्मेदारी निभाने में आनाकानी करेंगे तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गाइडलाइन के अनुसार, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिए गए हैं कि वे बम की फर्जी धमकियों की सूचना जल्दी से हटाएं और इसके लेकर शीघ्र सुरक्षा एजेंसियों को सूचित करें। मंत्रालय ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से भारत में कई एयरलाइंस को फर्जी बम धमकियां मिली हैं। ये धमकियां एयरलाइनों, यात्रियों और सुरक्षा एजेंसियों को प्रभावित कर रही हैं, जिससे उड़ानों का सामान्य संचालन बाधित हो रहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को करें कार्रवाई

आईटी मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और संबंधित नियमों के तहत उचित कार्रवाई करनी होगी। उन्हें किसी भी गलत जानकारी को तुरंत हटाना होगा, जो सार्वजनिक सुरक्षा को प्रभावित करती है। यदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स इस जिम्मेदारी का पालन नहीं करते हैं, तो सरकार उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए बाध्य होगी। आईटी नियमों के अनुसार, यदि वे गलत जानकारी को हटाने में विफल रहते हैं, तो उन्हें आईटी अधिनियम के तहत दंडित किया जा सकता है। फर्जी धमकियां राज्य की सुरक्षा के लिए खतरा

फर्जी धमकियों से न केवल सार्वजनिक व्यवस्था पर असर पड़ रहा है, बल्कि यह राज्य की सुरक्षा के लिए भी खतरा बनती हैं। इनसे बड़ी संख्या में नागरिक प्रभावित होते हैं और देश की आर्थिक सुरक्षा भी अस्थिर होती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फारवर्डिंग/री-शेयरिंग के कारण ये फर्जी धमकियां तेजी से फैल रही हैं, जो कि गलत सूचनाओं पर आधारित हैं।

केंद्र सरकार के पेंशनर्स को उम्रदराज होने पर मिलेगी अतिरिक्त पेंशन

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार के पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने 80 साल या उससे ज्यादा उम्र के बुजुर्गों के लिए अतिरिक्त पेंशन का ऐलान किया है। इस अतिरिक्त पेंशन को कम्पैशनेट अलाउंस कहा जा रहा है। यह नियम केंद्र सरकार के सभी विभागों के रिटायर्ड कर्मचारियों पर लागू होगा। पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने इसके लिए नई गाइडलाइन्स भी जारी की हैं। इससे पेंशनर्स को आसानी से यह अतिरिक्त लाभ मिल सकेगा।

इस घोषणा के मुताबिक, 80 साल या उससे ज्यादा उम्र के पेंशनर्स को उनकी उम्र के हिसाब से अतिरिक्त पेंशन मिलेगी। यह अतिरिक्त पेंशन उनकी बेसिक पेंशन या कम्पैशनेट अलाउंस का एक हिस्सा होगी।

पेंशनभोगी कल्याण विभाग ने बताया है कि 80 से 85 साल के पेंशनर्स को उनकी बेसिक पेंशन/कम्पैशनेट अलाउंस का 20% अतिरिक्त मिलेगा। 85 से 90 साल वालों को 30%, 90 से 95 साल वालों को 40% और 95 से 100 साल वालों को 50% अतिरिक्त पेंशन मिलेगी। 100 साल या उससे ज्यादा उम्र के पेंशनर्स को उनकी बेसिक पेंशन/कम्पैशनेट अलाउंस का पूरा 100% अतिरिक्त मिलेगा।

यह अतिरिक्त पेंशन उस महीने की पहली तारीख से लागू मानी जाएगी, जिस महीने में पेंशनर की उम्र 80 साल या उससे ज्यादा होती है। उदाहरण के लिए अगर किसी पेंशनर का जन्म 20 अगस्त, 1942 को हुआ है तो उन्हें 1 अगस्त, 2022 से 20% अतिरिक्त पेंशन मिलना शुरू हो जाएगी। इससे पेंशनर्स को आसानी से यह अतिरिक्त लाभ मिल सकेगा।

लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 'सेना पीछे हटाने' पर भारत और चीन का संयुक्त बयान क्यों नहीं आया - संसदीय समिति

नईदिल्ली (ईएमएस)। विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के सदस्यों ने विदेश सचिव से सवाल किया है कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 'सेना पीछे हटाने' पर भारत और चीन की ओर से कोई संयुक्त बयान क्यों नहीं आया, जिसकी घोषणा भारत सरकार ने इस सप्ताह की शुरुआत में की थी। सूत्रों के अनुसार, मिस्री ने संसदीय समिति के सदस्यों को जवाब देते हुए कहा कि ऐसी स्थितियों में अक्सर संयुक्त बयान नहीं दिए जाते, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों सरकारें समझौते के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पिछले साल के धान की मिलिंग नहीं...गोदाम भरे पड़े

पंजाब-हरियाणा के किसान भड़के, 4 हाईवे अनिश्चितकाल के लिए बंद

अमृतसर (ईएमएस)। देश के कई राज्यों में किसान समर्थन मूल्य पर धान को बेचने के लिए तैयार बैठे हैं, लेकिन सरकार ने अभी तक धान की खरीदी शुरू नहीं की है। दरअसल, पिछले साल जो धान खरीदे गए थे, उनकी अभी तक मिलिंग नहीं हुई है। इस कारण गोदामों में धान भरे पड़े हैं। ऐसे में पंजाब और हरियाणा के किसान भड़क उठे हैं। पंजाब में धान की लिफ्टिंग ना होने से खफा किसानों ने शनिवार राज्य के 4 हाईवे बंद कर दिए हैं। किसान 1 बजे सड़कों पर बैठ गए। ये प्रदर्शन तब तक जारी रहेगी, जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जाती। उनका कहना है कि केंद्र और राज्य सरकारें दोनों ही उनकी मांगों की तरफ ध्यान नहीं दे रहीं। किसान मजदूर मोर्चा और किसान संयुक्त मोर्चा नॉन (पॉलिटिकल) जॉइंट फोरम के नेता सरवन सिंह पंधेर ने बताया कि 1 बजे के बाद से पंजाब के 4 हाईवे जाम किए गए हैं। 1 बजे के बाद आवाजाही को बंद कर दिया गया।

पंधेर ने कहा कि फूड सप्लाई मंत्री के साथ शैलरों की बैठक हुई थी। शैलरों की मांग थी कि धान में से कम चावल निकलता है और उन्हें 2-3 किलो की अधिक छूट दी जाए। केंद्र ने जल्द टीमें भेजने की बात कही थी, लेकिन आज तक टीमें नहीं पहुंची हैं और शैलर भी धान नहीं उठा रहे। पंजाब सरकार कोशिश करे कि धान की लिफ्टिंग जल्द हो। 26 दिन से किसान मंडियों में बैठा है और मुश्किल से अपना गुजारा कर रहा है।

तीन काले कानून लागू करने की कोशिश में भाजपा

पंधेर ने आरोप लगाया कि तीन काले कानून जो भाजपा लेकर आई थी, अब उसे लागू करने की कोशिश की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह जो खुद भाजपा में हैं, अगर उनकी प्रधानमंत्री से जान पहचान है तो वे केंद्र से बात करें। पंजाब के मुख्यमंत्री आज दिल्ली जा रहे हैं। केजरीवाल खुद किसानों की समस्या को हल करवाएं, अन्यथा पूरा पंजाब बंद होगा।

किसानों ने लोगों से मांगी मदद

पंधेर ने कहा कि किसान पंजाब की अर्थ-व्यवस्था से जुड़ा है। अगर किसान खत्म हो गया तो पंजाब खत्म हो जाएगा। आज सड़कें रुकेंगी, मुश्किलें आएंगी, लेकिन समस्याओं का हल होगा। अन्यथा बड़े-बड़े मॉल आएंगे और राज्य के लघु-उद्योग बंद होंगे, व्यापार खत्म होगा। इस बंद के बीच एमरजेंसी सेवाएं व एयरपोर्ट के यात्रियों को रोका नहीं जाएगा।

ज्ञानवापी पर जिला अदालत के फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट जाएंगे अयोध्या के संत

खारिज हो गई थी एडिशनल एएसआई सर्वे की मांग

अयोध्या (ईएमएस)। ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष को जिला अदालत से तगड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने हिंदू पक्ष की प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। हिंदू पक्ष ने ज्ञानवापी परिसर में एडिशनल एएसआई सर्वे की मांग की थी। इतना ही नहीं हिंदू पक्ष ने सेंट्रल डोम के लगभग 100 फीट नीचे शिवलिंग होने का दावा भी किया था। कोर्ट का फैसला आने के बाद अयोध्या के संतों ने अपनी प्रतिक्रिया भी दी है। अयोध्या संत समिति के महामंत्री पवन दास शास्त्री ने कहा, जिला अदालत से याचिका खारिज हो गई है। इसके बाद हम लोगों के पास बहुत सारे विकल्प हैं। हम हाई कोर्ट जाएंगे। हमारी याचिका खारिज होने से हमारा पक्ष कमजोर नहीं होने वाला है। वह ज्ञानवापी है ज्ञानवापी था और ज्ञानवापी रहेगा। उसे हम प्राप्त करके ही रहेंगे। कानूनी प्रक्रिया में कभी-कभी कोई कमी रह जाती है। हम आशावादी हैं। हमें नहीं समझना चाहिए की हिंदू पक्ष की हार हुई है। रामलला के पक्ष में भी लगातार हुई है। उत्तर-चढ़ाव लेकिन अंत में राम लला के पक्ष में फैसला आया था. ज्ञानवापी मामले पर भी हिंदू पक्ष में फैसला आएगा. हम ज्ञानवापी को प्राप्त करके रहेंगे। राष्ट्रवादी बाल संत दिवाकर आचार्य ने बताया कि हिंदू समाज न्याय के लिए निरंतर अपमानित किया जा रहा है।

हिंदू आस्था को पहुंचाई जा रही चोट हिंदू आस्था पर चोट पहुंचाई जा रही है। न्याय प्रणाली व्यवस्था को यह समझना चाहिए कि अटकाने भटकाने और लटकाने से कुछ भी नहीं होने वाला है। इससे हिंदू आस्था और भी मजबूत होगी। खारिज याचिका के आधार पर हाई कोर्ट जाएंगे और चैलेंज करेंगे। एएसआई सर्वेक्षण एक ऐसा विषय है जो सभी को न्याय दिलाने का काम करता है। ज्ञानवापी में भगवान विश्वेश्वर नाथ विराजमान हैं। उसका भी राम जन्म भूमि के तर्ज पर फैसला आएगा। स्थानीय संत सीताराम दास का ने कहा कि यह फैसला चौंका देने वाला है। प्रार्थना पत्र को खारिज करना दुखद और चिंतनीय है। इससे सनातनी घबराने वाले नहीं हैं। सनातनी आगे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगा। सर्वेक्षण से सिद्ध हो जाता की ज्ञानवापी पर शिव विराजमान हैं।

कमजोर पड़ने से पहले बंगाल और ओडिशा दर्द दे गया दाना, बंगाल में चार लोगों की मौत

ओडिशा में 1.75 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बर्बाद

भुवनेश्वर (ईएमएस)। बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवात दाना के शनिवार रात तक कमजोर होने की संभावना है, लेकिन इसके पहले दाना ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा में व्यापक नुकसान पहुंचाया है। मौसम विभाग के अनुसार, दाना के चलते पश्चिम बंगाल के पूर्वी बर्धमान, दक्षिण 24 परगना, कोलकाता और हावड़ा में चार लोगों की मौत हुई है।

ओडिशा में स्थिति थोड़ी बेहतर रही है, जहां किसी की जान नहीं गई, लेकिन तूफान और बारिश ने 1.75 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बर्बाद कर दी हैं। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने बताया कि तूफान के आने से पहले 8 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था।

साइक्लोन दाना का असर आंध्र प्रदेश, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु में दिखाई दिया है। बिहार और झारखंड में बारिश जारी है, जबकि झारखंड में तापमान 6 डिग्री सेल्सियस गिर गया है। अगले 24 घंटों में बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ में और बारिश का अनुमान है।

ओडिशा में सबसे अधिक नुकसान केंद्रपाड़ा, भद्रक और बालासोर में हुआ है। तेज हवाओं के कारण कई पेड़ उखड़ गए हैं और बिजली के खंभे टूट गए हैं, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली गुल हो गई है। वहीं बंगाल के दक्षिणी हिस्से में भी भारी बारिश हुई, जहां कोलकाता में 24 घंटे में 4 इंच बारिश दर्ज की गई। बिहार में चक्रवात दाना का असर दिवाली तक जारी रहने की संभावना है। अगले कुछ दिनों तक राज्य के 19 जिलों में बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना है।

जेल में बंद आजम खान भी करेंगे उपचुनाव में सपा का प्रचार

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के 9 विधानसभा सीटों के लिए समाजवादी पार्टी ने अपने स्टार प्रचारकों के नाम घोषित कर दिए हैं। इसमें जेल में बंद आजम खान का भी नाम है। बता दें कि कई मुकदमों का सामना कर रहे आजम खान लंबे समय से जेल में हैं। ऐसे में सपा की स्टार प्रचारकों की लिस्ट में उनका नाम लोगों को चौंका रहा है। लोग पूछ रहे हैं कि आजम खान जेल में हैं तो फिर उपचुनाव में प्रचार कैसे करेंगे। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव के बाद तीसरे नंबर पर आजम खान का नाम लिखा है।

हरियाणा में 689 जगहों पर जलाई गई पराली

हिसार (ईएमएस)। हरियाणा में पराली जलाने के मामले दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। प्रदेश में 3 और जगहों पर पराली जलाई गई है। इसके साथ ही पराली जलाने के मामले बढ़कर 689 हो गए हैं। हरियाणा के 4 शहरों पानीपत, करनाल, जींद और रोहतक में सबसे ज्यादा प्रदूषण है। यहां एक्यूआई 400 से पार पहुंच गया है। वहीं, 10 शहर ऐसे हैं जहां हवा की गुणवत्ता खराब है। इन 10 में से 4 शहरों में एक्यूआई 300 से ऊपर है। जिसमें कुरुक्षेत्र, धारूहेड़ा, बहादुरगढ़ और बहादुरगढ़ शामिल हैं। इसके अलावा अंबाला, हिसार, चरखी दादरी, भिवानी, सोनीपत और सिरसा में एक्यूआई 200 से ऊपर है।

त्योहार में लोगों को मार डालेगी महंगाई डायन.........सब्जियों के दाम आसमान पर

नई दिल्ली (ईएमएस)। किचन संभालना इस त्यौहारी सीजन में गृहणी के लिए मुश्किल होने वाला है। त्यौहार से पहले ही सब्जियों की कीमतों में 25 प्रतिशत और तेल 35 रुपये महंगा हो गया है। हालांकि दालों के दामों में गिरावट आई है।

वहीं दुकानदारों का मानना है कि अभी दस दिन तक भावों में और तेजी आने की उम्मीद है। पिछले एक माह में कई त्यौहार आए हैं। सब्जियों और खाद्य वस्तुओं का उपभोग भी बढ़ा है। इस एक माह में तोरई 40 से बढ़कर 60 रुपए प्रति किलो हो गई। वहीं लौकी बीस रुपए की जगह अब चालीस रुपए प्रतिकिलो बिक रही है। आलू भी 25 की जगह 30 से 35 रुपए प्रति किलो हो गया। शिमला के भाव ने आसमान छू लिया है। शिमला मिर्ची के दाम 160 रुपए प्रतिकिलो पहुंच गई। टमाटर भी चालीस की जगह अब 60 रुपए प्रतिकिलो बिक रहा है। मखाने का भाव पिछले माह 800 रुपए था जो अब बढ़ कर सौ रुपए प्रतिकिलो हो गया है। खाद्य तेल 120 रुपए से उछल कर 155 रुपए प्रतिकिलो हो गया है। वनस्पति घी अब 120 रुपए की जगह 145 रुपए प्रतिकिलो बिक रहा है। चावल पर भी दस रुपए प्रतिकिलो बढ़ गए हैं। गोला में बहुत तेजी से उछाल आया है। पिछले माह 160 रुपए भाव था जो अब ढाई सौ प्रतिकिलो हो गया है।

रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा अब 15 नवंबर तक

- रिटर्न दाखिल करने की यह विस्तारित अवधि कर ऑडिट रिपोर्ट पर लागू नहीं होगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। आयकर विभाग ने शनिवार को मूल्यांकन वर्ष 2024-25 के लिए कॉर्पोरेट्स द्वारा आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा 15 दिन बढ़ाकर 15 नवंबर तक कर दी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक परिपत्र में कहा कि पिछली 31 अक्टूबर की समयसीमा बढ़ाई जाएगी। मूल्यांकन वर्ष 2024-25 के लिए नयी समयसीमा अब 15 नवंबर है। बताया गया है कि कर रिटर्न दाखिल करने की यह विस्तारित अवधि कर ऑडिट रिपोर्ट पर लागू नहीं होगी। इससे पहले सितंबर में सीबीडीटी ने कर ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम समयसीमा सात दिन तक बढ़ाकर सात अक्टूबर कर दी थी।

यूएनएससी में पाकिस्तान के बयान की भारत ने की कड़ी निंदा

जेनेवा (ईएमएस)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में कश्मीर मुद्दे को उठाने के लिए पाकिस्तान की कड़ी निंदा की है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश ने पाकिस्तान बयान को घृणित और शरारती उकसावा करार दिया।

हरीश ने कहा कि पाकिस्तान जैसे प्रतिनिधिमंडल अपनी रणनीति के तहत गलत सूचना और दुष्प्रचार फैलाने में संलग्न है। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में की गई टिप्पणियों का जवाब देकर कहा, इस महत्वपूर्ण वार्षिक बहस में इस तरह के राजनीतिक प्रचार में शामिल होना पूरी तरह से गलत है।

इसके साथ ही, उन्होंने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक महिलाओं की स्थिति पर भी ध्यान केंद्रित किया। भारतीय प्रतिनिधि ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि पाकिस्तान में हिंदू, सिख और ईसाई महिलाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय है। उन्होंने मानवाधिकार आयोग के आंकड़ों का हवाला देकर बताया कि लगभग एक हजार अल्पसंख्यक महिलाओं को हर साल अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन और विवाह का शिकार होना पड़ता है।

भारत ने बहस के आयोजन के लिए स्विट्जरलैंड का आभार व्यक्त किया और महिला, शांति और सुरक्षा (डब्ल्यूपीएस) एजेंडे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा, जैसे ही हम परिषद के प्रस्ताव 1325 की 25वीं वर्षगांठ के करीब पहुंच रहे हैं, भारत महिला, शांति और सुरक्षा एजेंडे के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

प्रसिद्ध गुसाडी नृत्य गुरु पद्मश्री कनक राजू का निधन

हैदराबाद (ईएमएस)। प्रसिद्ध गुसाडी नृत्य गुरु एवं पद्मश्री से सम्मानित कनक राजू का शुक्रवार रात तेलंगाना के कोमाराम भीम (आसिफाबाद) जिले में निधन हो गया। वह 83 वर्ष के थे। कनक राजू के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने दुख व्यक्त किया।

पीएम मोदी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट किया है कि एक विपुल नर्तक और सांस्कृतिक प्रतीक श्री कनक राजू जी के निधन से दुखी हूं। गुसाडी नृत्य को संरक्षित करने में उनका समृद्ध योगदान आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करेगा। प्रधानमंत्री ने कनक राजू के परिवार और प्रशंसकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की, नर्तक के काम के स्थायी प्रभाव पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके समर्पण और जुनून ने यह सुनिश्चित किया कि सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण पहलू अपने प्रामाणिक रूप में फल-फूल सकें। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने भी प्रसिद्ध गुसाडी नर्तक के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुसाडी को दुनिया से परिचित कराने और तेलंगाना की कला और सांस्कृतिक परंपरा को संरक्षित करने के लिए कनक राजू को एक असाधारण कलाकार के रूप में पहचाना जाता है।

योगी के बंटेंगे तो कटेंगे बयान को आरएसएस का समर्थन, होसबोले ने कहा

अगड़ा और पिछड़ा, जाति-भाषा में भेद करेंगे तो हम कटेंगे

मथुरा (ईएमएस)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने सीएम योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे बयान का समर्थन किया है। मथुरा में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हिंदू समाज एकता में नहीं रहेगी तो आजकल की भाषा में बंटेंगे तो कटेंगे हो सकता है। उन्होंने कहा कि समाज में अगड़ा-पिछड़ा, जाति-भाषा में भेद करेंगे तो हम कटेंगे। इसलिए एकता जरूरी है। हिंदू समाज की एकता लोक कल्याण के लिए है। वह सबको सुख प्रदान करेगी। हिंदुओं को तोड़ने के लिए शक्तियां काम कर रही हैं। आगाह करना जरूरी है।

क्या संघ और भाजपा में खींचतान चल रही? इस पर होसबोले ने कहा कि हम सार्वजनिक संगठन हैं। हमारी किसी के साथ खींचतान नहीं। हम भाजपा, कांग्रेस, उद्योगपति सभी लोगों से मिलते हैं। हम चाहते हैं कि समाज में नफरत न हो।

हिंदू समाज अपनी रक्षा करे और संगठित रहे

होसबोले ने कहा कि कई जगहों से धर्मांतरण के मामले आ रहे हैं। दुर्गा पूजा और गणेश विसर्जन के समय हमले भी हुए हैं। हिंदू समाज अपनी रक्षा करे और संगठित होकर रहे। केरल के वायनाड में लैंडस्लाइड हुई। 1000 स्वयंसेवक सेवा के लिए उतरे। हिंदू-मुस्लिम सबकी समान रूप से मदद की गई। मुस्लिम लोगों की मृत्यु हुई तो उनकी मान्यताओं के अनुसार स्वयंसेवकों ने उनका अंतिम संस्कार किया।

गैंगस्टर लॉरेंस के कस्टडी से इंटरव्यू केस में 7 सस्पेंड

इनमें 2 डीएसपी, तीन एसआई और एक एएसआई भी शामिल

अमृतसर (ईएमएस)। गैंगस्टर लॉरेंस के जेल से इंटरव्यू मामले में सरकार ने आरोपी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ एक्शन लिया है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के निर्देश पर गठित एसआईटी ने 7 अधिकारियों और कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान कोताही व लापरवाही का आरोपी माना। इसके बाद सभी को सस्पेंड करने के आदेश जारी किए गए हैं।

ये आदेश राज्य के गृह विभाग के प्रमुख सचिव गुरकीरत कृपाल सिंह ने जारी किए हैं। जिन अधिकारियों-कर्मचारियों को सस्पेंड किया गया है, उनमें डीएसपी से लेकर हेड कॉन्स्टेबल रैंक तक के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। इनमें डीएसपी गुरशेर सिंह (अमृतसर स्थित 9 बटालियन), डीएसपी समर वनीत, सब इंस्पेक्टर रीना, सब इंस्पेक्टर जगतपाल जंगू, सब इंस्पेक्टर शगनजीत सिंह, एएसआई मुख्त्यार सिंह और हेड कॉन्स्टेबल ओम प्रकाश शामिल हैं।

आईआईटी भिलाई ने बनाया ऐप, मरीज की पुरानी बीमारी डायग्नोस करने में मिलेगी मदद

रायपुर एम्स में एआई की मदद से होगा इलाज

रायपुर/भिलाई (ईएमएस)। दो दिनी छत्तीसगढ़ दौरे के आखिरी दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नवा रायपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय मेमोरियल हेल्थ साइंस एंड आयुष यूनिवर्सिटी ऑफ छत्तीसगढ़ के दीक्षांत समारोह में पहुंचीं हैं। कार्यक्रम में राष्ट्रपति ने यूजी और पीजी के 25 स्टूडेंट्स को 33 गोल्ड मेडल प्रदान किया। सबसे ज्यादा 3 गोल्ड मेडल रायपुर मेडिकल कॉलेज की शबा फिरदौस को मिला। इस दौरान 2022 और 2023 बैच के 6 स्टूडेंट्स को एमसीएच की उपाधि भी दी गई।

राष्ट्रपति आईआईटी भिलाई के दीक्षांत समारोह में भी शामिल हुईं। वहां 7 छात्रों को गोल्ड मेडल दिया। राष्ट्रपति ने बताया कि आईआईटी भिलाई ने एम्स के लिए ऐप तैयार किया है। एम्स में एप की मदद से डॉक्टरों को मरीज की पुरानी बीमारी डायग्नोस करने में मदद मिलेगी।

आईआईटी ने एम्स के साथ मिलकर बनाया ऐप

राष्ट्रपति ने कहा कि आईआईटी भिलाई ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एम्स रायपुर से मिलकर मोबाइल ऐप तैयार किया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को मदद मिल रही है। 6 लाख किसान मोबाइल ऐप का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो कि आईआईटी के सहयोग से तैयार हुआ है। यहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षा दी जा रही है, पिछले 6 दशकों से देश के आईआईटी संस्थान से निकले छात्रों ने देश के विकास में अपनी पहचान बनाई है।

एआई की मदद से डायग्नोस होगी बीमारी

(एम्स) में डॉक्टरों को गंभीर रूप से बीमार मरीजों की कई रिपोर्ट का निष्कर्ष और इलाज प्रोटोकॉल अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से उपलब्ध होगा। एम्स के लिए आईआईटी भिलाई ने हाईब्रिड डिजिटल हेल्थ केयर टेक्नोलॉजी प्लेटफार्म स्मार्ट-ईआर विकसित किया है। कोई रोगी जो सीने में दर्द की शिकायत लेकर आता है तो उसके लक्षणों और शुरुआती जांच रिपोर्ट के आधार पर पता चल सकेगा कि रोगी को हार्टअटैक हुआ है या मायोकार्डियल इन्फेक्शन से ग्रस्त है। इस आधार पर तुरंत ही इलाज प्रदान किया जा सकेगा।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार

लुधियाना (ईएमएस)। मुंबई पुलिस ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में एक और आरोपी सुजीत सुशील सिंह (32) को पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया है। सुजीत सुशील सिंह पर इस मामले में वांछित आरोपी जीशान अख्तर को दो गिरफ्तार आरोपी से मिलवाने का आरोप है। इसे मिलाकर बाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 15 हो गई है।

इस मामले की जांच कर रहे एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी सुजीत सिंह इस मामले के वांछित आरोपी जीशान अख्तर के संपर्क में था और उस समूह का हिस्सा था, जिसने हत्या की साजिश रची थी। हत्या के तुरंत बाद वह जालंधर भाग गया था और वहां छिपकर रह रहा था। इसकी गोपनीय जानकारी मिलने के बाद मुंबई पुलिस ने पंजाब पुलिस के सहयोग से शुक्रवार को उसे गिरफ्तार किया है। मुंबई पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

उल्लेखनीय है कि 12 अक्टूबर को बांद्रा पूर्व में पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में अब तक 15 आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं और तीन फरार हैं। तीनों फरार आरोपितों के विरुद्ध लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है।

गैस, एलर्जी, सर्दी जुकाम, उल्टी, कैल्शियम, विटामिन-12 के साथ कुल 49 दवाओं के सैंपल मानकों में फेल पाए गए

नई दिल्ली (ईएमएस)। गैस, एलर्जी, सर्दी जुकाम, उल्टी, कैल्शियम, विटामिन-12 के साथ कुल 49 दवाओं के सैंपल मानकों में फेल पाए गए हैं। केंद्रीय दवा मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने इसको लेकर अलर्ट जारी किया है। हर महीने 3000 दवाइयों के सैंपल्स की जांच की जाती है। इसमें जो भी मानकों की जांच में फेल पाए जाते हैं, उनकी वेबसाइट पर रिपोर्ट जारी की जाती है। इसी क्रम में इस महीने करीब 49 दवाओं के सैंपल मानकों पर खरे नहीं उतरे हैं जिसकी सूची वेबसाइट पर डाल दी गई है। इन सभी दवाइयों को बाजार से वापस लेने के निर्देश दिए गए हैं। इन दवाओं की सूची में डायबिटीज की दवा, दर्द निवारक, आई ड्रॉप्स और बुखार, उल्टी के सिरप शामिल हैं।

सीडीएससीओ द्वारा की गई दवाओं की जांच और निगरानी से कम प्रभावकारिता वाली दवाओं के प्रतिशत में भारी कमी आती है। परीक्षण किए गए लगभग 3000 नमूनों में से 49 दवाओं को वापस लेने के लिए कहा गया क्योंकि उन्हें कम प्रभावकारी (एनएसक्यू) पाया गया। कुल सैंपल में लगभग 1.5 प्रतिशत ही कम प्रभावोत्पादक पाई गईं। इससे पहले भी सीडीएससीओ ने 67 दवाओं की जांच कराई थी। इनमें से 53 केंद्रीय लैबोरेटरी में जांच कराई गईं और 18 राज्यों की लैबोरेटरी में जांच हुईं। पता चला कि 49 नामी गिरामी कंपनियों की दवाइयां सब स्टैंडर्ड की हैं, जबकि 4 दवाइयां नकली हैं। नकली पाई गई दवाओं में टैमसुलोसिन और डुटास्टेरॉयड, कैल्शियम, विटामिन डी 3 टैबलेट (शेलकैल), पेंटाप्रेजोल एंड डोमिपेरीडोन और नंड्रोलोन डीकानोट इंजेक्शन शामिल हैं।

अवैध रुप से अमेरिका में रह रहे भारतीयों को विशेष विमान से भारत भेजा

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका में अवैध रुप से रह रहे भारतीयों को विशेष विमान से वापस भेजा गया है। अमेरिकी होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने बताया कि यह कदम भारत सरकार के सहयोग से उठाया गया है। डीएचएस के एक वरिष्ठ अधिकारी, क्रिस्टी ए. कैनेगालो ने कहा, जो भारतीय नागरिक अमेरिका में कानूनी आधार के बिना रह रहे हैं, उन्हें वापस भेजा जाएगा। ऐसे प्रवासी दलालों के झांसे में न आएं जो उन्हें गलत जानकारी देते हैं।

डीएचएस अन्य देशों के साथ संपर्क में है ताकि उनके अवैध रुप से रह रहे नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा सके। यह कदम अवैध प्रवास को कम करने, सुरक्षित और वैध रास्तों को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। पिछले एक साल में, डीएचएस ने कोलंबिया, इक्वाडोर, पेरू, मिस्र, मॉरिटानिया, सेनेगल, उज्बेकिस्तान, चीन और भारत सहित कई देशों के नागरिकों को उनके देश वापस भेजा है। यह फ्लाइट 22 अक्टूबर को भारत भेजी गई थी। डीएचएस ने यह भी बताया कि वे अमेरिकी इमिग्रेशन कानूनों को सख्ती से लागू कर रहे हैं और अवैध तरीके से आए लोगों को वैध मार्ग अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। इस साल के जून महीने से, अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर अवैध प्रवास में 55 प्रतिशत की कमी आई है। वित्तीय वर्ष 2024 में, डीएचएस ने 1,60,000 से ज्यादा लोगों को उनके देशों में वापस भेजा है। इसके लिए 145 देशों में 495 से ज्यादा उड़ानों का संचालन किया गया, जिसमें भारत भी शामिल है।

आरबीआई गवर्नर को भरोसा, जल्द काबू में होगी महंगाई

शक्तिकांत दास ने वैश्विक कारणों को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली (ईएमएस)। शनिवार को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने भरोसा जताया कि देश में महंगाई जल्द काबू में होगी। उन्होंने इसके लिए वैश्विक कारणों को जिम्मेदार ठहराया। गौरतलब है कि वर्तमान समय में भारतीय अर्थव्यवस्था में उठा-पटक जारी है। एक ओर विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) देश छोड़कर बाहर निकल रहे हैं, कई दिनों से शेयर बाजार में भारी गिरावट देखी जा रही है। वहीं महंगाई बढ़ने से त्योहारी सीजन में आम आदमी परेशान है। शक्तिकांत दास ने कहा कि मौसम की अनिश्चितता और जियोपॉलिटिकल समस्याओं के चलते महंगाई का आंकड़ा हमारे लक्ष्य 4 फीसदी से ऊपर गया है। मगर, देश में महंगाई और ग्रोथ का सामंजस्य बना हुआ है। भारतीय इकोनॉमी मजबूत स्थिति में है।

चौथी तिमाही तक नियंत्रण में होगी महंगाई

महंगाई पर चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही तक काबू कर लिया जाएगा। इससे जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान सुधार दिखाई देगा। मुंबई में आयोजित मैक्रो वीक 2024 को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय इकोनॉमी की स्थिरता और मजबूती ने मोनेट्री पॉलिसी कमेटी को फिलहाल ब्याज दरों के अलावा महंगाई पर भी फोकस रखने का मौका दिया है। कोविड19 के दुष्प्रभावों के बावजूद पिछले तीन वित्त वर्ष से हमने करीब आठ फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर को बनाया हुआ है। वित्त वर्ष 2025 में भी इसके करीब 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है।

बढ़ रही घरेलू मांग

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि घरेलू मांग में इजाफा होता जा रहा है। साथ ही देश में मैन्युफैक्चरिंग भी बढ़ रही है। निजी निवेश भी देश में बढ़ता जा रहा है। सरकार ने पूंजीगत व्यय बढ़ाने और बैंकों की आर्थिक सेहत को मजबूत रखने पर ध्यान दिया है। एनबीएफसी भी बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। कॉरपोरेट सेक्टर भी निवेश बढ़ाकर देश की तरक्की में अपना योगदान दे रहा है। कृषि क्षेत्र में विकास से ग्रामीण इलाकों में भी डिमांड बढ़ने की पूरी उम्मीद है। दुनिया में पैदा हो रहे आर्थिक संकट से निपटने के लिए इंटरनेशनल मोनेट्री फंड (आईएमएफ) और वर्ल्ड बैंक मिलकर काम कर रहे हैं।

जन हितैषी

देश में चल रहा ईडी के नाम पर ठगी का रैकेट

राजधानी दिल्ली में फर्जी ईडी अधिकारी बनकर करोड़ों की ठगी करने की कोशिश का मामला सामने आया है। हाल ही में दक्षिण दिल्ली के छतरपुर इलाके के फार्म हाउस में 7 लोगों ने फर्जी ईडी अधिकारी बनकर फार्म हाउस मालिक से पांच करोड़ रुपये की मांग की। यही नहीं ईडी के फर्जी अधिकारियों ने फार्म हाउस में घुसकर वहां के लोगों को डराया धमकाया और रातभर बंदी बनाकर रखा। गैंगस्टर की तरह उन्हें धमकाया और उनके साथ मारपीट भी की गई। उनके मोबाइल छुड़ा लिए गए। अपराधी गिरोह के सदस्यों की तरह बंदी बनाए गए लोगों को धमकाया गया। तथाकथित ईडी के अधिकारी फार्म हाउस पर रातभर रुके रहे। डरा धमकाकर सुबह बैंक में मलिक को बैंक में ले जाकर उससे रकम वसूलने की कोशिश की। इसी बीच फार्म हाउस के मालिक ने अपने वकील और दोस्तों को फोन कर दिया। बैंक अधिकारियों ने भी गेट बंद करने की कोशिश की। इससे घबराकर फर्जी ईडी के अधिकारी बैंक से बाहर निकल गए। उन्होंने अपने साथियों को फार्म हाउस में भी सूचना दे दी, वहां से वह भी भाग गए। फार्म हाउस के मालिक की सूझ-बूझ से इस घटना का पर्दाफाश हुआ। वह लुटने से बच गया। जब इसकी शिकायत पुलिस और ईडी के अधिकारियों को दी गई। ईडी के अधिकारियों ने छापे की कोई पुष्टि नहीं की। उसके बाद पुलिस ने लुटेरों को ढूंढने की कार्रवाई शुरू की। अभी तक पुलिस किसी को भी गिरफ्तार करने में सफल नहीं हो पाई है। यह घटना भारत में कानून और व्यवस्था की गंभीर स्थिति को उजागर करती है। भारत में जांच एजेंसी किस तरह से काम करती हैं। उनका किस तरह का भय आम लोगों के बीच है, यह उजागर होता है। इस घटना से स्पष्ट है कि ईडी के नाम पर ठगी का रैकेट देश के विभिन्न हिस्सों में किस तरह से चल रहा है। प्रवर्तन निदेशालय, जिसका मुख्य उद्देश्य आर्थिक अपराधों और मनी लॉन्ड्रिंग पर नियंत्रण रखना है। ईडी को जांच और गिरफ्तारी के लिए विशेष अधिकार मिले हुए हैं। ईडी का भय और उसकी अपराधिक छवि गैंगस्टर की तरह बनती जा रही है। ईडी जिन लोगों को गिरफ्तार करती है और पिछले वर्षों में ईडी के अधिकारियों ने जिन्हें गिरफ्तार किया। उनमें बड़े-बड़े राजनेता, मुख्यमंत्री, मंत्री, भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी और बड़े-बड़े कारोबारी शामिल थे। उनकी कई महीने तक न्यायालय से जमानत नहीं हुई। जिसके कारण ईडी का भय आम लोगों में बड़ी तेजी के साथ फैल गया है। ईडी का नाम सुनते ही लोगों में डर और भय पैदा हो जाता है। ईडी के नाम का फायदा उठाकर अपराधी गिरोह भी बड़े पैमाने पर ठगी करने लगे हैं। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय और अन्य जांच एजेंसियों, जिनके पास व्यापक रूप से गिरफ्तारी के अधिकार हैं, उन जांच एजेंसी के अधिकारी किस तरह से लोगों को प्रताड़ित करते हैं। किस तरह से झूठे मामले बनाते हैं। अब यह बात किसी से छिपी हुई नहीं रही। समय-समय पर जांच एजेंसी के अधिकारी और कर्मचारियों के आचार-व्यवहार की जांच सरकार को करानी चाहिए। अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। ताकि कोई व्यक्ति जांच एजेंसियों के नाम का दुरुपयोग ना कर सके। राजधानी दिल्ली के पास छतरपुर में इस तरह की घटनाओं का होना हर किसी को डराने के लिए पर्याप्त है। कानून व्यवस्था को सख्त बनाने और लोगों के मन में जांच एजेंसियों को लेकर विश्वास बहाल करने के लिए सरकार को विशेष प्रयास करने होंगे। पिछले कुछ महीनो में जिस तरह ईडी के अधिकारियों द्वारा वसूली किए जाने के मामले सामने आए हैं। उसके बाद से अपराधी गिरोह और ठग ईडी के अधिकारी बनकर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और ठगी करने लगे हैं। भारत में पिछले कुछ वर्षों में ठगी के मामले बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। गुजरात के गांधीनगर में हाल ही में नकली कोर्ट, नकली जज, नकली वकील और नकली फैसले से किस तरह से लोगों को ठगा जा रहा है। यह भी सामने आ चुका है। ऐसी स्थिति में सरकार को ठगी की इन घटनाओं को रोकने के लिए विशेष प्रयास करने होंगे। जिस तरह से ठगी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। उसके बाद सरकार की छवि पर भी इसका विपरीत असर पड़ रहा है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को इस मामले में सजग होने की जरूरत है।

नकली डिब्बा,नकली बोतल, ले ले मेरे यार

(लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

जब से होश सम्हाला है तभी से अमूल के उत्पादों पर भरोसा करता आया हूँ। अमूल मेरा बड़ा भाई है या बहन ,ये मै नहीं जानता ? लेकिन अमूल तो अमूल है । बिना कसी प्रधानमंत्री को अपना ब्रांड एम्बेस्डर बनाये अमूल आजादी मिलने से ठीक एक साल पहले वजूद में आया। मुझसे 13 साल बड़ा है अमूल। गुजरात के त्रिभुवन दस पटेल साहब की दें है । पटेल साहब के इस उपहार से पूरा देश धन्य हुआ और है । पटेल साहब को उस समय से लेकर आजतक किसी खास आदमी को अपना ब्रांड एम्बेस्डर नहीं बनाना पड़ा । अमूल आम आदमी के लिए था और अमूल का ब्रांड एम्बेस्डर भी आम आदमी ही है ,लेकिन अब अमूल को भी नक्कालों की नजर लग गयी है। देश का आधा बाजार अमूल के नकली घी से अटा पड़ा है।

हम भारतीय किसी और में विश्व गुरू बने हों या न बने हों लेकिन नकल करने में दुनिया के विश्व गुरू अवश्य है । हमारे सामने नकल करने वाले दुसरे देश शायद कहीं नहीं टिकते। हमारे हुनरमंद नक्काल दुनिया के किसी भी उत्पाद की हू-ब-हू नकल करने में समर्थ है। खाने-पीने की चीज हो या पांव में पहनने की चप्पल। अंडर वियर हो या बनियान। हम उसकी नकल तैयार कर सकते है। घी,दवाएं,कपड़े,दाल-चावल,तेल तो सामान्य चीजे हैं। इन नकल विशेषजों की कड़ी मेहनत के फलस्वरूप अब बाजार में नकली अमूल घी भी उपलब्ध है । मुझे जब इस बारे में खबर मिली तब तक मेरे घर में अमूल घी का पदार्पण हो चुका था। मुझे नहीं पता कि मै असली अमूल घी लाया हूँ या नकल। भगवान मेरे परिवार की ही नहीं अपितु मेरी तरह देश के तमाम अमूल घी प्रेमियों की रक्षा करें।

गनीमत है कि अमूल कम्पनी हमारी सरकारों की तरह गैर जिम्मेदार नहीं है ,वो अपने उपभोक्ताओं का पूरा ख्याल रखती है इसलिए उसने खुद अमूल के नकली घी के बारे में खुलासा किया। अमूल ने नकली घी बेचने वालों के खिलाफ चेतावनी जारी की है। कंपनी ने बताया कि कुछ लोग नकली अमूल घी बेच रहे हैं। खासकर ऐसे एक लीटर वाले रीफिल पैक में, जो अमूल तीन साल से नहीं बना रही है। अमूल ने लोगों से कहा है कि वे घी खरीदने से पहले पैकेजिंग की जांच जरूर कर लें। कम्पनी के इस खुलासे के बाद से हमारे पेट में उपद्रव शुरू हो गया है क्योंकि हम कुछ रूपये बचने के फेर में तीन साल से अमूल के रिफिल पैकेट ही घर में ला रहे थे। यानि हम सब नकली घी खा रहे थे,वो भी अमूल का। उस अमूल का जिसका मतलब ही अनमोल होता है।

हमारे देश में जबसे सरकार ने मेक इन इण्डिया,मेड इन इंडया जैसे नारे दिए हैं तबसे और उससे पहले से ही नक्काल सक्रिय हैं। देश में नकली उत्पादों का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। देश में यदि अमूल का कारोबार 4 बिलियन डालर का है तो नकली उत्पादों का करोबार इससे चार गुना ज्यादा होगा। आप चूंकि आजकल अख़बार कम पपढ़ते हैं और मोबाईल में उलझे रहते हैं इसलिए शायद आपको नहीं पता कि दुनिया में नकली प्रोडक्टका कारोबार कुल बिजनेस का 3.3 फ़ीसदी हिस्सा हो गया है।नकली उत्पादों के कुल मामले में से 84 फ़ीसदी से अधिक सिर्फ पांच सेक्टर में से आते हैं।अकेले भारत में नकली प्रोडक्ट के उत्पादन/बिक्री के मामले सालाना 20 फ़ीसदी की दर से ऐसे बढ़ रहे हैं जैसे अहिन की माता सुरसा का आकार बढ़ता है।

आप जो खा रहे हैं,जो पहन रहे हैं उसमें क्या असली है और क्या नकली है ये भगवान भी शायद आपको नहीं बता सकत। अब दीपावली पर आप जो मावा मिष्ठान खायेंगे,शुद्ध देशी घी के लड्डू खाएंगे उसमें कितना मावा असली होगा,कितना घी असली होगा ये कोई नहीं जनता। बस खाये जाओ,खाये जाओ और हरि के गुण गाये जाओ। क्योंकि देश की कोई भी सरकार इस नकल के कारोबार पर नकेल नहीं डाल सकती । किसी भी दल की सरकार हो,एक इंजिन की हो डबल इंजिन की ,इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। नक्काल सभी राजनीतिक दलों और सरकारों से ऊपर हैं। पूरी दुनिया और खासकर हम हिन्दुस्तानी इन नक्कालों की कृपा,अनुकम्पा पर ही ज़िंदा हैं।

हमें याद है कि एक जमाने में देशी घी तो छोड़िये डालडा भी शुद्ध बिकता था । आज के जमाने में तो तिरुपति बाला जी का प्रसादम भी असली नहीं मिलता । लेकिन जो भी उत्पाद नेताओं की तरह घर-घर पहुंचा ,उसकी नकल बाजार में आ गयी।हमने फिल्मों में ही नहीं बल्कि असल में नकली पुलिस,नकली आईएएस-आईपीएस,नकली डाक्टर देखे हैं और अब तो गुजरात में नकली जज और नकली अदालतें भी सम्मान पा चुकीं है। गुजरात मॉडल केवल विकास और सत्यानाश के मामले में ही अनुकरणीय नहीं है बल्कि नकल के मामले में भी अनुकरणीय है। जिन देशों की आर्थिक स्थिति खराब है वे भारतीय नक्कालों से परामर्श लेकर अपने आपको डूबने से बचा सकते हैं ।

कोई माई का लाल नकली और असली में भेद करके बता दे तो मै उसके लिए पदम् पुरस्कार दिलाने में सिफारिश करने का भरोसा दिला सकता हूँ। वैसे नकल उद्योग को देखते हुए इस देश में नक्कालों का भी हक बनता है कि वे पद्मश्री,पदम् भूषण और पद्म विभूषण जैसे सम्मानों से अलंकृत किये जाएँ। भारतीय नक्काल केवल एक उत्पाद की नकल नहीं बना पाए और वो है नेता। देश में नकली नेताओं का घोर अभाव है। जितने भी और जैसे भी नेता हैं ,वे असली है। नकली कारोबार की प्रगति ,उन्नति और प्रतिष्ठा को देखते हुए नवाचार में सिद्धहस्त हमारी सरकार को न सिर्फ केंद्र में बल्कि केंद्र शासित क्षेत्रों और डबल इंजिन से चंलने वाली राज्य सरकारों में एक नकल मंत्रालय और एक नकल मंत्री भी बना देना चाहिए।

आप शायद न जानते हों लेकिन हकीकत ये है कि जैसे दुनिया मदर्स डे,फादर्स डे ,विमेंस डे मानती है उसी तरह हर साल 8 जून को दुनियाभर में एंटी काउंटरफेट डे मनाया जाता है। यानि नकल विरोधी दिवस। इस अवसर पर दि आथंटिकेशन सोल्यूशन प्रोवाइडर्स एसोसिएशन एक रिपोर्ट जारी करती है। इस संस्था की एक के मुताबिक भारत में नकली प्रोडक्ट के उत्पादन/बिक्री के मामले सालाना 20 फ़ीसदी की दर से बढ़ रहे हैं। अगर बात पांच प्रमुख सेक्टर में नकली उत्पादों की करें तो दवा, हेल्थ सप्लीमेंट, सुरक्षा उत्पाद, हाइजीन एवं अन्य जरूरी चीजों की बढ़ी हुई मांग का फायदा उठाते हुए धोखेबाज नकली उत्पाद का जाल बिछा रहे हैं। दुनिया भर में नकली प्रोडक्ट का कारोबार कुल बिजनेस का 3.3 फ़ीसदी हिस्सा हो गया है।अब 145 करोड़ की आबादी वाले देश में ये हिस्सेदारी भी कोई हिस्सेदारी है भला ? यहां भी कम से कम फिफ्टी-फिफ्टी का हिस्सा तो होना ही चाहिए ।

मै कल्पना करता हूँ कि 56 साल पहले फिल्म नीलकमल के लिए खाली डिब्बा-खाली बोतल गीत लिखने वाले साहिर साहब यदि आज जीवित होते तो वे लिखते -

नकली डिब्बा,नकली बोतल, ले -ले मेरे यार

नकली से मत नफरत करना ,नकली सब संसार

हमारे देश में कोई भी नकल से घृणा करने वाला नहीं है । देश के सबसे बड़े नेताओं पर भी नकल का इस्तेमाल करने का आरोप लग चुका है। लोगों की डिग्रियां और उपाधियाँ तक नकल प्रधान है। उन्हें देश की सबसे बड़ी अदालतों में चुनौती दी जाती है लेकिन देश की सबसे बड़ी अदालत भी नकल को नकल साबित करने में कामयाब नहीं होती। इसलिए हे देशवासियो नकल से घृणा मत करो। नकल हमारा राष्ट्रीय उद्योग है। इसे संरक्षण मिलना ही चाहिए। हर सूरत में मिलना चाहिए क्योंकि हम देश की बढ़ती आबादी को सौ फीसदी असल माल उपलब्ध करने की स्थिति में नहीं हैं।इसलिए नकल माफिया इस देश की जरूरत है।

धर्मनिरपेक्षता पर सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के निहितार्थ

सुप्रीम कोर्ट ने अपने दो हालिया फैसलों में धर्मनिरपेक्षता की विस्तृत व्याख्या करते हुए इसे और मजबूती दी है। असल में धर्मनिरपेक्षता को लेकर संविधान-निर्माताओं का मुख्य उद्देश्य धार्मिक सहिष्णुता, समानता एवं बंधुत्व भाव से था, लेकिन बाद में यह शब्द भ्रामक हो गया और इसने धर्म के अस्तित्व को ही नकार दिया। राजनेताओं ने अपने-अपने हितों को साधने के लिये इस धर्मनिरपेक्षता शब्द के वास्तविक अर्थ एवं भावना को ही धुंधला दिया। सर्वोच्च अदालत ने बीते सोमवार को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बाबत धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की आधारभूत संरचना का हिस्सा बताया और स्पष्ट संकेत दिया है कि धर्मनिरपेक्षता को पश्चिमी देशों से आयातित शब्द के नजरिये से देखने के बजाय भारतीय संविधान की आत्मा के रूप में देखना चाहिए। धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान की मूल विशेषता बताते हुए कोर्ट ने कहा कि संविधान में वर्णित समानता व बंधुत्व शब्द इसी भावना के आलोक में वर्णित हैं। साथ ही धर्मनिरपेक्षता को भारतीय लोकतंत्र की अपरिहार्य विशेषता बताते हुए कहा कि यह समाज में व्यापक दृष्टि वाली उदार सोच को विकसित करने में सहायक है। जिसके बिना स्वस्थ लोकतंत्र की कल्पना नहीं की जा सकती है। जो राष्ट्रीय एकता का भी आवश्यक अंग है।

ध्यातव्य है कि 42वें संविधान संशोधन के बाद भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'पंथनिरपेक्ष' शब्द जोड़ा गया, लेकिन 'पन्थनिरपेक्ष' शब्द का प्रयोग भारतीय संविधान के किसी अन्य भाग में नहीं किया गया है। वैसे संविधान में कई ऐसे अनुच्छेद मौजूद हैं जिनके आधार पर भारत को एक धर्मनिरपेक्ष राज्य कहा जाता है क्योंकि भारत का संविधान देश के नागरिकों को यह विश्वास दिलाता है कि उनके साथ धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जायेगा। संविधान में भारतीय राज्य का कोई धर्म घोषित नहीं किया गया है और न ही किसी खास धर्म का समर्थन किया गया है। इसका कारण भारत में अनेकों धर्म और सम्प्रदाय प्रचलित हैं। अत: संविधान निर्माताओं ने इसको धर्मनिरपेक्ष देश के रूप में स्वीकार किया। भारतीय समाज का बहुधर्मी व विभिन्न संस्कृतियों का गुलदस्ता होना भी इसकी अपरिहार्यता को दर्शाता है। निश्चित रूप से अदालत ने इस मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के लिये तल्खी दिखाने वाले नेताओं को भी आईना दिखाया है। पूर्व राष्ट्रपति डा. एस. राधाकृष्णन् ने धर्म निरपेक्षता शब्द के व्यापक हार्द को स्पष्ट करते हुए कहा था- 'धर्मनिरपेक्ष होने का अर्थ अधर्मी होना अथवा संकुचित धार्मिकता पर चलना नहीं होता, वरन इसका अर्थ पूर्णतः आध्यात्मिक होना होता है। निरपेक्ष का अर्थ है कि राष्ट्र की ओर से किसी धर्म विशेष का प्रचार-प्रसार नहीं किया जाएगा। सब धर्मों के प्रति समानता का व्यवहार किया जाएगा।' भारत के लोकतंत्र एवं संविधान की यही विशेषता है कि इसमें किसी एक धर्म को मान्यता न देकर सभी धर्मो को समान नजर से देखा जाता है।

आजकल धर्मनिरपेक्षता को लेकर चलने वाली बहसें अक्सर जिस तरह का तीखा रूप ले लेती हैं, उसके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग इन दो फैसलों में इसकी अहमियत रेखांकित हुई है। एक मामले में सर्वोच्च अदालत ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा करार दिया तो दूसरे मामले में इसकी संकीर्ण व्याख्या से उपजी गड़बड़ियां दुरुस्त कीं। दूसरा मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा यूपी बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द किए जाने से जुड़ा था, जिसे मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने गलत करार दिया। हाईकोर्ट ने इस एक्ट को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ माना था। धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत की इस संकीर्ण व्याख्या के चलते प्रदेश के 13 हजार से ज्यादा मदरसों में पढ़ रहे 12 लाख से अधिक छात्रों के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे थे। मगर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जरूरत मदरसों को बैन करने की नहीं बल्कि उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने की है। लेकिन यहां एक प्रश्न यह भी है कि क्या मदरसे मुख्यधारा में आने को तैयार है? क्या मदरसे एक धर्म-विशेष से जुड़ा मामला नहीं है? अदालत का यह मानना कि मदरसों पर रोक लगाने के बजाय उनके पाठयक्रम को वक्त की जरूरत और राष्ट्रीय सोच के अनुरूप ढाला जाना चाहिये, उचित एवं संविधान की मूल भावना के अनुरूप है। जिससे छात्रों की व्यापक दृष्टि विकसित हो सके। लेकिन क्या ऐसा संभव है? क्या मदरसे अपने पाठयक्रम को संकीर्ण दायरों से बाहर निकाल कर व्यापक परिवेश में नया रूप दे पायेंगे? ऐसा होता है तो अदालत की सोच से भारत की एकता एवं अखण्डता को नयी ऊर्जा मिलेगी। फिर तो अदालत का दो टूक कहना कि यदि किसी भी प्रकार से धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा कमजोर पड़ती है तो अंततः इसका नुकसान समाज व देश को ही उठाना पड़ेगा, सही है। भारतीय समाज में सदियों से फल-फूल रही गंगा-जमुनी संस्कृति के पोषण देने के लिये सभी धर्मों एवं सम्प्रदायों को समानता से, बंधुत्व भावना से एवं उदारता से ही देखा जाना चाहिए।

आज धर्म-निरपेक्षता शब्द को लेकर राजनेता एवं राजनीति दो भागों में बंटी हुई है। समाज भी दो भागों मे बंटा है। आजादी के समय एवं संविधान को निर्मित करते हुए अंग्रेजी के सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्म करना भ्रामक हो गया। तब के इसी धर्म-निरपेक्ष शब्द के कारण आज विद्यालयों में धार्मिक शिक्षा नहीं दी जाती, जिसका परिणाम यही है कि आज विद्यार्थियों का सर्वांगीण व्यक्तित्व-निर्माण नहीं हो रहा है। मैंने अणुव्रत आन्दोलन के प्रवर्तक आचार्य तुलसी के साथ विभिन्न राजनेताओं, धर्मगुरुओं, साहित्यकारों, पत्रकारों की इस शब्द को लेकर चर्चाओं में सहभागिता की। व्यापक सोच वाले आचार्य तुलसी का विश्वास रहा कि हिन्दुस्तान सम्प्रदाय निरपेक्ष होकर अपनी एकता को बनाए रख सकता है किन्तु धर्महीन होकर एकता को सुरक्षित नहीं रख सकता। लोकतंत्रीय राष्ट्र पर किसी सम्प्रदाय अथवा पंथ का आधिपत्य हो तो वह अपने लोकतंत्रीय स्वरूप को सुरक्षित नहीं रख सकता। इसलिए लोकतंत्रीय राष्ट्र का सम्प्रदाय अथवा पंथ-निरपेक्ष होना अनिवार्य है। साम्प्रदायिक कट्टरता में सहिष्णुता नहीं होती है अत: राजनीति किसी सम्प्रदाय विशेष की अवधारणा से संचालित नहीं होनी चाहिए। इसलिये संविधान में धर्मनिरपेक्ष के स्थान पर सम्प्रदाय-निरपेक्ष, मजहब-निरपेक्ष अथवा पंथ-निरपेक्ष शब्द का प्रयोग होना चाहिए। सम्प्रदाय निरपेक्ष होने का तात्पर्य धर्मनिरपेक्ष, धर्महीन या धर्मविरोधी होना नहीं हैं।'

इसी कारण धर्मनिरपेक्ष शब्द के कारण राजनैतिक दलों के अलग-अलग खेमे बन गए। इससे धर्म विशेष को लेकर पार्टी के द्वारा वोटों की राजनीति चलने लगी। इसीलिये आचार्य श्री तुलसी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी और पी. वी. नरसिम्हाराव से इस संदर्भ में विस्तृत चर्चा करते हुए कहा- ''जब तक सेक्युलर शब्द का सही अर्थ नहीं होगा, आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों की समस्या नहीं सुलझ सकती।'' राजीव गांधी ने इस संदर्भ में नोट्स मांगे। उन्हें विस्तार से सारी बातें उपलब्ध कराई गईं। कुछ समय बाद संविधान में सेक्युलर शब्द का अर्थ धर्मनिरपेक्ष बदलकर संप्रदायनिरपेक्ष कर दिया गया।' लेकिन संविधान में धर्मनिरपेक्षता शब्द के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की गयी। इसीलिये संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि धर्मनिरपेक्षता संविधान के बुनियादी ढांचे का हिस्सा है। सर्वोच्च अदालत के फैसले से यह भी साफ हुआ कि संशोधन के द्वारा प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़े जाने का मतलब यह नहीं है कि इससे पहले धर्मनिरपेक्षता संविधान का अहम हिस्सा नहीं थी। चाहे समानता के अधिकार की बात हो या संविधान में आए बंधुत्व शब्द की या फिर इसके पार्ट 3 में दिए गए अधिकारों की, ये सब इस बात का साफ संकेत हैं कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय संविधान की मूल विशेषता है। अदालत ने यह भी कहा कि चाहे धर्मनिरपेक्षता हो या समाजवाद, इन्हें पश्चिम के संदर्भ में देखने की जरूरत नहीं। भारतीय परिवेश ने इन शब्दों, मूल्यों, संकल्पनाओं, अवधारणाओं को काफी हद तक अपने अनुरूप ढाल लिया है। वैसे भारतीय समाज ने इस शब्द के मूल भाव का सहजता से अंगीकार किया भी है। यही वजह है कि कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता को भारतीय संविधान का मूल स्वर बताते हुए इसकी संकुचित व्याख्या करने से बचने के लिये हिदायत दी है। (लेखक- - ललित गर्ग/ ईएमएस)

सुंदर ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया : सबा करीम

पुणे (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर बल्लेबाज सबा करीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार गेंदबाज के लिए स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर की सराहना की है। करीम ने कहा कि भारतीय टीम जब बल्लेबाजी और गेंदबाजी में संघर्ष कर रही थी तब सुंदर ने अच्छी गेंदबाजी कर सभी को प्रभावित किया है। इस गेंदबाज ने दो पारियों में 11 विकेट लिए हैं, जिससे उसकी क्षमता का पता चलता है।

सबाने कहा, सुंदर ने काफी अच्छा प्रयास किया है। वह बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने और आउट करने के प्रयास करता रहा। वहीं मैच में भी ऐसा लगा कि न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों में केवल सुंदर का ही डर नजर आया।। उन्होंने यह भी कहा कि सुंदर को अपनी लंबाई का भी गेंदबाजी में लाभ मिला। इससे वह गति पैदा कर रहे हैं और उछाल हासिल कर रहें हैं। इस पूर्व विकेटकीपर ने कहा, शायद यही कारण है कि उन्हें टीम में जगह मिली है। उन्हें इस टेस्ट टीम में वापस आने में काफी समय लगा है पर मुझे लगता है कि उनके इस टेस्ट मैच के प्रदर्शन से उनके करियर को आये एक दिशा मिलेगी। वाशिंगटन सुंदर का यह प्रदर्शन निश्चित रूप से भारतीय क्रिकेट के लिए एक अच्छा संकेत है।

महाराष्ट्र में कांग्रेस की उदारता भाजपा के लिए चिंता का विषय

महाराष्ट्र में 288 सीटों पर 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होना है। महायुति में सीटों के बंटवारे पर सहयोगी दलों के साथ सहमति पहले ही बन चुकी है। अब महा विकास अघाड़ी की बारी है। हालांकि महा विकास आघाडी ने 85-85-85 सीटों का फ़ार्मूला निकाला था, बाकी बची हुई सीटों पर कांग्रेस लड़ना चाहती है, लेकिन उद्धव ठाकरे कांग्रेस को पूरी सीटें देना नहीं चाहते। वक्त कोई भी हो सहयोगी दलों के साथ सीटों का बंटवारा बिल्कुल भी आसान नहीं होता। राजनीति पल - पल बदलती है, खासकर राजनीति नम्बरों पर ही टिकी हुई होती है। हरियाणा की जीती हुई बाजी हारने के बाद कांग्रेस को महाराष्ट्र में बेहद कम सीटों पर संतुष्ट होना पड़ रहा है। जबकि महाराष्ट्र में भी कांग्रेस खासी मजबूत स्थिति में है। जिस महाराष्ट्र में कभी कांग्रेस अपने दम पर सरकार चलाती थी, अब स्थिति ऐसी हो गई है कि गठबंधन के सहारे चलना कांग्रेस की मजबूरी बन गई है। पिछले कई चुनावों में शरद पवार के साथ मिलकर कांग्रेस लड़ती रही है, जबकि अब तो शरद पवार - और कांग्रेस के साथ उद्धव ठाकरे भी आ गए हैं। हालांकि ज़्यादा मजबूत सहयोगियों के साथ अपनी महत्वाकांक्षाओं को सीमित करना ही पड़ता है। यही गठबंधन धर्म है जो कांग्रेस निभाती हुई दिख रही है। जो तात्कालिक हरियाणा हार की कीमत है जो महाराष्ट्र में चुकानी पड़ रही है। यही कीमत है जो हर बार कांग्रेस चुकाती है सिर्फ़ और सिर्फ़ अपने क्षेत्रीय नेताओं के कारण जो खुद ही सबकुछ हासिल करना चाहते हैं।

कहाँ तो कांग्रेस हरियाणा विधानसभा चुनाव में जीतकर महाराष्ट्र के महा विकास आघाडी में बड़े भाई की भूमिका चाहती थी, लेकिन अब ऐसा होता नहीं दिख रहा। हरियाणा हार - जाने के बाद कांग्रेस को भाजपा से सीधी टक्कर में बेहद कमज़ोर माना जा रहा है, कांग्रेस हरियाणा में भाजपा से सीधे टक्कर में थी यही कारण है कि हरियाणा हारने के बाद कांग्रेस को निशाना बनाया गया है। यही कारण है ये भी है कि शरद पवार - संजय राउत कांग्रेस के साथ अच्छी खासी बार्गेनिंग करके फायदा उठा रहे हैं। जबकि कांग्रेस की उदारवादी सोच भाजपा के लिए चिंता का सबब बनी हुई है। हालांकि कांग्रेस विधानसभा चुनाव में लोकसभा वाला शानदार प्रदर्शन नहीं दोहरा पा रही है।

हरियाणा इसका एक बड़ा उदाहरण है, जहां पर जीती हुई बाजी पार्टी ने गंवाई है। अगर महाराष्ट्र की बात करें तो कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव में 16 सीटों पर चुनाव लड़ा जिसमें बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 13 सीटें जीती हैं, यहां भी 11 सीटों पर उसने बीजेपी प्रत्याशी को मात दी थी। अत: अब संदेश देने का प्रयास हो रहा है कि बीजेपी को हराने में सिर्फ़ कांग्रेस सक्षम है। ऐसे में पार्टी को अगर फिर महाराष्ट्र में अपनी स्थिति मजबूत करनी है तो उसे हर कीमत पर अपने पारंपरिक वोटबैंक को मजबूत करना होगा। यानी कि पार्टी को दलित, मुस्लिम और आदिवासी वोटरों को अपने पाले में लाने के लिए भरपूर कोशिश करनी चाहिए। जिस तरह से इस बार के लोकसभा चुनाव ने मराठवाड़ा के मराठा आंदोलन ने कांग्रेस के पक्ष में हवा बनाई, फिर कुछ वैसा ही कमाल पार्टी को करना पड़ेगा। स्थानीय मुद्दों को आगे लेकर चलना होगा।

महाराष्ट्र में 85 सीटों पर लड़ने वाली कांग्रेस महाराष्ट्र में अपना सीएम नहीं बना पाएगी, अब तो यही लग रहा है। चूंकि पिछली बार कुछ ऐसी परिस्थितियां बनी कि सीएम पद तो उद्धव ठाकरे को दे दिया गया था क्योंकि समय की डिमांड कुछ ऐसी ही थी। अब जाहिर है कि कांग्रेस इस बार महाराष्ट्र में बड़े भाई की भूमिका में नहीं है, यही कारण है कि कांग्रेस महाराष्ट्र में वैसी नहीं दिख रही जैसी कांग्रेस कभी होती थी। महाराष्ट्र में भाजपा - कांग्रेस दोनों एक दूसरे को रोकने के लिए अपनी महत्वाकांक्षाओं की बलि दे रहीं हैं, जहां बेहद कम सीटों वाले शिंदे को भाजपा ने सीएम बना दिया था। जबकि कांग्रेस ने अपने बिखराव को रोकने के लिए उद्धव ठाकरे को सीएम बना दिया था। देखा जाए तो हर राज्य का चुनाव दूसरे राज्यों से अलग होता है, सभी के मुद्दे अलग होते हैं। भाजपा महाराष्ट्र को हरियाणा की तरह जीतना चाहती है, जबकि महाराष्ट्र एवं हरियाणा में कुछ फ़र्क़ हैं जो कांग्रेस के लिए राहत की बात है। दरअसल कांग्रेस पार्टी हर बार आपसी खींचतान अंदरुनी कलह, गुटबाजी में अव्वल रही है, कांग्रेस में अनुशासन की भारी कमी दिखती रही है, जबकि भाजपा अपनी अंदरुनी मामलों को पहले ही निपटा लेती है। कांग्रेस की अंदरुनी कलह भाजपा के लिए हमेशा फायदे का सबब होती रही है। हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश इसके ताजा उदाहरण हैं।

हालांकि कांग्रेस के लिए महाराष्ट्र में एक राहत की बात यह ज़रूर है कि महाराष्ट्र में कांग्रेस किसी एक लोकल नेता पर निर्भर नहीं है। जैसे राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट को लेकर विवाद था, हरियाणा में हुड्डा बनाम शैलजा की जंग थी। एमपी में कमलनाथ की मनमानी थी। लेकिन महाराष्ट्र में ऐसा नहीं है क्योंकि यहां अलग-अलग इलाकों में अलग स्थानीय नेता सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। ऐसे में महत्वकांक्षा या सत्ता की वो रस्साकशी यहां देखने को नहीं मिलने वाली।

उदाहरण के लिए लातूर में अमित देशमुख, गढ़चिरौली और चंद्रपुर में विजय वडेट्टीवार, भंडारा में नाना पटोले अपनी उपस्थिति दर्ज करवाते हैं, आकाश, ऐसे में कांग्रेस नेताओं की अंदरुनी कलह जैसी कोई स्थिति नहीं है जबकि अभी सीएम बनने - बनाने की बात अभी दूर की बात है क्योंकि अभी महा विकास आघाडी चुनाव लड़ने पर फोकस करना चाहेगी। महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी के लिए एक अच्छा संकेत है जबकि भाजपा के लिए एक चिंता का विषय बना हुआ है, क्योंकि महाराष्ट्र में इस बार जीत भी इतनी से बनना शुरू होती है। (लेखक- दिलीप कुमार पाठक / ईएमएस)

शब्द पहेली - 8170

बाएँ से दाएँ

1.लाचार,बेबस-3
3.प्राण,जान-3
5.दुर्ग,फोर्ट-2
6.सद्पुरुष-2
8.कवायद-4
10.प्रतिघात,मुआवजा-3
12.कंठ,गला-3
13.लकड़ी-2
14.प्रथम मानव-2
15.धोखेबाज,कपटी-3
17.माजरा,घटना-3
19.कहासुनी,झंझट -4
21.संबोधन-2
23.चावल-2
24.रगड़ना,लगाना-3
25.वादा,प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1.लता,लतिका-2
2.चावल (अंग्रेजी-3)
3.हूर,अप्सरा-3
4.आकाश,व्योम-2
5.शायरी करनेवाला-3
7.योग्य,उपयुक्त-3
8.अदाकार,फनकार-4
9.घोड़ागाड़ी-2
12.बजरंगबली-4
15.माह,मास-3
16.जांघ,जंघा-2
18.धिक्कार,फटकार-3
19.मामूली,तुच्छ-3
20.बहने का भाव-3
22.संस्कृत में 'मेरा'-2
23.होश,आभास-2

शब्द पहेली -8169 का हल

आ	ह		प	र	दा		क	म
ग		क	ना	त		र	च	ना
	क	ल	ह		ग	ह	रा	
श	र	म		ह	र	म		स
री	म		आ	रा	म		क	म
फ		शी	स	म		न	ह	र
	क	त	रा		अ	म	र	
बा	द	ल		रा	ज	न		त
ज	र		ज	ह	र		द	वा

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका दौरे दौरे के लिए टीम घोषित कर दी है। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम को पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4 मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद वह रोहित शर्मा की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कार सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम 8 नवंबर को डरबन में अपना पहला टी20 मैच खेलेगी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 4 टी20 मैचों के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), हार्दिक पंडया, अक्षर पटेल, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई , अर्शदीप सिंह, विजयकुमार वैश्य, अवेश खान और यश दयाल।

दक्षिण अफ्रीका दौरे का पहला टी20 08-नवंबर को डरबन में जबकि दूसरा टी20 10 नवंबर को गक़ेबरहा में, वहीं 13-को तीसरा टी20 सेंचुरियन में व 15-नवंबर को चौथा टी20, जोहानसबर्ग में खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएंगी। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है :

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), सरफराज खान, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, मो. सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर।

पाकिस्तान ने चार साल बाद घरेलू धरती पर पहली टेस्ट सीरीज जीती

तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड को 9 विकेट से हराया

रावलपिंडी (ईएमएस)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 9 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 2-1 से जीत ली है। इसी के इसके साथ ही मेजबान पाक टीम ने चार साल के बाद अपनी घरेलू धरती पर कोई सीरीज जीती है। टीम पिछले काफी समय से लगातार मिली हार के कारण दबाव में थी। उसे 2021 के बाद घर पर पहली सीरीज जीतने में सहायता मिली है। तीसरे टेस्ट में पाक टीम की जीत में स्पिनर नोमान अली और साजिद खान की अहम भूमिका रही। इन दोनो के सामने इंग्लैंड के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। इन दोनो ने मेहमान टीम के बल्लेबाजों को पूरी तरह से धवस्त कर दिया। लंच से पहले इंग्लैंड की टीम केवल 112 रनों पर ही आउट हो गयी। ये पाक में इंग्लैंड का अब तक का कम स्कोर है। इससे पाक टीम को जीत के लिए केवल 36 रन का लक्ष्य मिला जिसे उसने 3.1 ओवर में एक विकेट खोकर ही हासिल कर लिया। कप्तान शान मसूद ने 6 गेंदों पर 23 रन बनाये। उन्होंने छक्का लगाकर मैच और सीरीज जीत ली। इससे पहले 24/3 से आगे खेलते हुए दिन की शुरुआत इंग्लैंड के लिए अच्छी रही। हैरी ब्रूक और जो रूट ने अच्छी शुरुआत की पर इनके आउट होने पर इंग्लैंड टीम ढ़ह गयी। इंग्लैंड ने 46 रन पर ही सात विकेट खो दिए।

यह कप्तान के रूप में शॉन मसूद की पहली सीरीज जीत है। इससे उन्हें खासी राहत मिली है। टीम में इस बार बाबर आजम, नसीम शाह और शाहीन अफरीदी तक शामिल नहीं थे। उनकी जगह साजिद और नोमान को शामिल किया गया। इन दोनो ने ही सूखी, टर्निंग पिचों का पूरी तरह से लाभ उठाया और अंतिम दो मैचों में दबदबा बनाते हुए 40 में से 39 विकेट ले लिए। पाक के लिए बदलाव अच्छे रहे। छह टेस्ट हार और घरेलू मैदान पर 11 मैचों की हार के बाद उसे जीत मिली है। टीम के लिए यह राहत देने वाली जीत है क्योंकि पिछले कुछ महीने उसके लिए बेहत कठिन रहे हैं। वहीं इंग्लैंड की इस साल चार टेस्ट मैचों में तीसरी हार है।

अर्जुन एरिगैसी ने बनाया रिकार्ड , 2800 एलओ रेटिंग हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के युव शतरंज खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने यूरोपियन क्लब कप के पांचवें दौरमें रूस के दिमित्री आंद्रेइकिन को हराकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। इसी के साथ ही अर्जुन 2800 एलओ रेटिंग हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड केवल विश्वनाथान आनंद के आना था आनंद ने साल 2011 में 2820 एलओ रेटिंग हासिल की थी

अर्जुन ने यूरोपीय शतरंज क्लब कप 2024 में सफ़ेद मोहरों से खेलते हुए टीम अल्कलॉइड की ओर से पांचवें दौर में रूस के दिमित्री हराया। इस जीत से वह लाइव रेटिंग सूची में विश्व में तीसरे नंबर पहुंच गये। अर्जुन 2800 रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाले 16वें खिलाड़ी बन गए हैं।

वहीं अलीरेजा फिरोजा 2800 अंक की बाधा पार करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। वहीं पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

इससे पहले भारत के अर्जुन ने फ्रांस के मैक्सिम वचियर-लाग्रेव को हराकर 2024 डब्ल्यूआर शतरंज मास्टर्स कप अपने नाम किया था। उससे उन्हें 20,000 यूरो का शीर्ष पुरस्कार और 27.84 फिडे सर्किट अंक मिले थे। अर्जुन अब फिडे स्टैंडिंग में शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं जबकि भारत की बात की जाये तो वह शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अर्जुन ने पिछले कुछ महीनों में वह शानदार प्रदर्शन करते हुए बुडापेस्ट में शतरंज ओलंपियाड 2024 में व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। वहीं टेपे सिगमैन शतरंज टूर्नामेंट में उन्हें दूसरा स्थान मिला। शारजाह मास्टर्स ओपन टूर्नामेंट में वह संयुक्त रूप से पाँचवाँ स्थान पर रहे।

मोहम्मद रिजवान ने टेस्ट क्रिकेट में बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली (ईएमएस)। पाकिस्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 2000 रन बनाने का कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि उन्होंने रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट के दूसरे दिन हासिल की। रिजवान ने यह कारनामा केवल 57 टेस्ट पारियों में किया, जो पूर्व रिकॉर्ड धारक सरफराज अहमद के 59 पारियों के रिकॉर्ड को तोड़ता है।

रिजवान, जो पाकिस्तान की वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों के महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं, को राष्ट्रीय टेस्ट टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। मैच से पहले वह इस उपलब्धि से 16 रन दूर थे, और उन्होंने बिना किसी परेशानी के 2000 रन का आंकड़ा पार कर लिया। उन्होंने अपनी पारी की शुरुआत जैक लीच की गेंद पर डीप मिडविकेट क्षेत्र में छक्का लगाकर की, जिससे उनके इरादे स्पष्ट हो गए। हालांकि, वे ज्यादा देर तक टिक नहीं पाए और रेहान अहमद ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। रिजवान ने 46 गेंदों में एक चौके और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाए।

जब रिजवान आउट हुए, तब पाकिस्तान 49.3 ओवर में 151 रन पर पांच विकेट खो चुका था, जो कि इंग्लैंड की पहली पारी के स्कोर 267 से 116 रन पीछे था। रिजवान ने 2016 में अपने टेस्ट करियर की शुरुआत के बाद से अब तक 35 टेस्ट मैचों में 41.85 की औसत से 2009 रन बनाए हैं। उन्होंने अगस्त 2024 में रावलपिंडी में बांग्लादेश के खिलाफ नजमुल हुसैन शांतो के खिलाफ नाबाद 171 रन के साथ तीन शतक भी बनाए हैं। जबकि पाकिस्तान ने मुल्तान में पहले टेस्ट में पारी से हार का सामना किया था, उन्होंने उसी स्थान पर शानदार जीत के साथ श्रृंखला में बराबरी हासिल की। रिजवान की यह उपलब्धि न केवल उनके व्यक्तिगत करियर के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट के लिए भी एक गर्व का क्षण है।

इंडिया ए इमर्जिंग एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में अफगानिस्तान से हारकर बाहर हुई

दुबई (ईएमएस)। इंडिया ए टीम इमर्जिंग एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। ग्रुप स्टेज के अपने तीनों मुकाबलों को जीतने वाली भारतीय ए टीम को एक रोमांचक मुकाबले में अफगानिस्तान के हाथों 20 रन से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में अफगान बल्लेबाजों ने पहले खेलते हुए तेजी से रन बनाये। सलामी बल्लेबाज जुबैद अकबरी और सेदिकुल्लाह अटल ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी बनायी। अकबरी ने 64 जबकि सेदिकुल्लाह ने 83 रन बनाए। वहीं एक अन्य क्रिकेटर करीम जन्नत ने भी 20 गेंदों पर 41 रन बनाकर स्कोर 206 तक पहुंचाया। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 7 विकेट पर 186 रन ही बना पायी।

अफगानिस्तान ने पहले विकेट के लिए 14 ओवर में ही 137 रन बना दिए थे। अकबरी 41 गेंदों पर 5 चौके और 4 छक्कों की मदद से 64 रन बनाकर आऊट हुए। इसके बाद अटल ने करीम जन्नत के साथ मिलकर स्कोर 181 तक पहुंचाया। यहां सेदिकुल्लाह ने 52 गेंदों पर 7 चौके और 4 छक्कों की मदद से 83 रन बनाकर बनायेए। करीम ने 20 गेंदों पर 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 41 रन बनाए। वहीं भारत की ओर से गेंदबाज रसिख सलाम ने 25 रन देकर 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय की शुरूआत खराब रही। क्योंकि स्टार अभिषेक शर्मा 5 गेंदों पर महज 7 रन बनाकर आऊट हो गए।

8 लाख रुपये तक की इनकम हो सकती है टैक्स फ्री, 9 करोड़ लोग भर सकते हैं आईटीआर

नई दिल्ली (ईएमएस)। हर साल इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इस साल करीब 7.3 करोड़ लोगों ने आईटीआर फाइल किया है और मार्च 2025 तक यह संख्या 9 करोड़ को पार कर सकती है। यदि सरकार 8 लाख रुपये तक की सालाना इनकम को टैक्स फ्री करने का फैसला लेती है, तो यह आंकड़ा और भी तेजी से बढ़ सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस छूट की मांग जोर पकड़ रही है और ऐसी संभावना है कि सरकार 60 से 80 साल के वरिष्ठ नागरिकों को यह राहत दे सकती है।

- 2 करोड़ ज्यादा आईटीआर फाइल होने की संभावना

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के आर्थिक विभाग की रिसर्च रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर सरकार असेसमेंट ईयर 2024-25 में आईटीआर की संख्या बढ़ाना चाहती है, तो उसे ऐसे कदम उठाने की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वरिष्ठ नागरिकों को यह छूट दी जाती है, तो रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या में काफी बढ़ोतरी होगी। अनुमान है कि इस साल करीब 2 करोड़ और आईटीआर फाइल होंगे, जिससे वित्तीय वर्ष के अंत तक यह संख्या 9 करोड़ को पार कर सकती है। अगले साल यह आंकड़ा 10 करोड़ के पार भी पहुंच सकता है।

- टीडीएस कटौती और सर्टिफिकेट में बदलाव की सिफारिश

रिपोर्ट के अनुसार, असेसमेंट ईयर 2022 में कुल 7.3 करोड़ आईटीआर फाइल किए गए थे, जो असेसमेंट ईयर 2024 में बढ़कर 8.6 करोड़ हो गए। तय तारीख के बाद आईटीआर भरने वालों की संख्या में गिरावट आ रही है, जिससे यह स्पष्ट है कि लोग समय पर आईटीआर फाइल करने के अनुशासन का पालन कर रहे हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने भी प्रक्रिया और फॉर्म को आसान बना दिया है, जिससे आईटीआर भरना सरल हो गया है। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि सरकार को टीडीएस कटौती के दायरे में सुधार करना चाहिए और टीडीएस सर्टिफिकेट में भी बदलाव करने चाहिए।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.16 अरब डॉलर घटकर 688.27 अरब डॉलर हुआ

- पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 690.43 अरब डॉलर था

मुंबई (ईएमएस)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 2.16 अरब डॉलर की ?गिरावट के साथ 688.27 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर रहा था। हाल के दिनों में मुद्रा भंडार में आई यह सबसे बड़ी गिरावट थी। इससे पहले के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.18 अरब डॉलर रह गया था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.87 अरब डॉलर घटकर 598.24 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.79 करोड़ डॉलर बढ़कर 67.44 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 6.8 करोड़ डॉलर घटकर 18.27 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 1.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.32 अरब डॉलर रहा।

दिवाली से पहले दोगुना हुआ मुद्रा लोन

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिवाली से पहले सरकार ने मुद्रा योजना के तहत लोन सीमा बढ़ा दी है। सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत लोन की सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दिया है, जिसका उद्देश्य छोटे उद्यमियों को मदद करना है। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को केंद्रीय बजट में इस वृद्धि की घोषणा की थी। यह कदम नए उद्यमियों को अपने उद्योगों का विस्तार करने में सहायक साबित होगा। अधिसूचना के अनुसार तरुण प्लस श्रेणी के तहत 10 लाख रुपए से अधिक और 20 लाख रुपए तक के लोन उन उद्यमियों को उपलब्ध होंगे जिन्होंने पहले का लोन सफलतापूर्वक चुका दिया है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत 8 अप्रैल, 2015 को हुई थी। इस योजना का उद्देश्य गैर-कॉरपोरेट, गैर-कृषि छोटे और सूक्ष्म उद्यमियों को बिना गारंटी के 10 लाख रुपए तक का लोन प्रदान करना है। बैंक इस योजना के तहत तीन श्रेणियों में लोन देतेहैंःशिशुः 50,000 रुपए तक, किशोरः 50,000रुपए से 5लाख रुपए तक और तरुणः10लाख रुपए तक (अब 20 लाख रुपए)।इसके ?लिए पात्रता- उद्यमी भारत का नागरिक होना चाहिए, उम्र 18 साल से अधिक होनी चाहिए, बैंक डिफॉल्ट हिस्ट्री नहीं होनी चाहिए।

धनतेरस पर सोना-चांदी दोनों में निवेश करना फायदेमंदः बाजार विशेषज्ञ

- दोनों ही की कीमती धातुओं में आगे भी मजबूती आने की संभावना

नई दिल्ली (ईएमएस)। धनतेरस के त्योहार पर भारत में जमकर खरीदारी होती है। ???विशेष तौर पर देखा जाए तो सोने और चांदी की कीमतें इस साल खूब बढ़ी है। वैश्विक अनिश्चितताओं और बढ़ती मांग के चलते सोना और चांदी रिकॉर्ड ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। इस साल 29 मई को चांदी ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। एक जनवरी 2024 को चांदी की कीमत 73,395 रुपये प्रति किलोग्राम था। इसी तरह 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63352 रुपये था। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि जब सोने और चांदी की मांग फिर पर होती है, तो निवेशकों को सोच-समझकर फैसले लेना चाहिए। हालांकि, मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए अभी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आने की कोई आशंका नजर नहीं आ रही है। आने वाले समय में हाजिर और वायदा बाजार में दोनों ही कीमती धातुओं की कीमतों में और मजबूती आने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका में संभावित ब्याज दरों में कटौती के चलते सोने-चांदी की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। खास बात यह है कि चांदी, जो हाल के महीनों में सोने से पीछे रही है, अब अधिक आकर्षक निवेश विकल्प बन सकती है। बाजार के जानकारों का कहना है ?कि चांदी दिवाली तक 1,05,000-1,10,000 प्रति किलो तक जा सकती है। उन्होंने निवेशकों को इस मौके का फायदा उठाने और चांदी पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। इसके साथ ही जियोपॉलिटिकल टेंशन और फेस्टिव सीजन के चलते आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 79 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है, वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से एक लाख करोड़ से ज्यादा निकाले

नई ?दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने भारतीय शेयर बाजारों से अक्टूबर माह में अब तक एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की निकासी की है। एफआईआई ने 25 अक्टूबर तक 1,00,242.17 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं। इस महीने में एफआईआई ने हर दिन शेयर बेचे हैं। विश्लेषकों के मुताबिक चीन में प्रोत्साहन उपायों की झड़ी के बाद एफआईआई विदेशी बाजार से लगातार पैसे निकालकर ड्रैगन के बाजार में लगा रहे हैं।

आरबीआई ने यूएई एक्स चेंज सेंटर का प्राधिकरण प्रमाणपत्र रद्द किया

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय ?रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक आवश्यकताओं का पालन न करने के कारण यूएई एक्सचेंज सैंटर एलएलसी का प्राधिकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिया है। केंद्रीय बैंक के इस कदम के बाद यूएई एक्सचेंज सैंटर एलएलसी (यूईईसी) सीमा पार धन हस्तांतरण का कारोबार नहीं कर सकेगी। यूईईसी का पंजीकृत कार्यालय दुबई में है। उसे सीमा पार धन हस्तांतरण परिचालन (ग्राहक से ग्राहक के बीच) के लिए ओवरसीज प्रिंसिपल के रूप में प्राधिकरण प्रमाणपत्र (सीओए) जारी किया गया था। आरबीआई ने कहा कि भुगतान प्रणाली परिचालन का सीओए नियामक आवश्यकताओं का पालन न करने के कारण रद्द कर दिया गया है।

डिजिटल संपर्क की गुणवत्ता के आधार पर संपत्तियों का आकलन होगा

- दूरसंचार ?नियामक ने एक विस्तृत रूपरेखा तैयार की

नई दिल्ली (ईएमएस)। दूरसंचार नियामक ट्राई ने डिजिटल संपर्क की गुणवत्ता के आधार पर संपत्तियों का आकलन करने और उन्हें दर्जा देने के लिए एक रेटिंग मंच बनाने का फैसला किया है। संपत्ति प्रबंधक ग्राहकों के लिए अच्छे डिजिटल संपर्क देने के बारे में सोचें, इसलिए नियामक ने एक विस्तृत रूपरेखा तैयार की है। डिजिटल संपर्क की गुणवत्ता और, दिए गए अंकों के आधार पर, संपत्तियों को स्टार रेटिंग दी जाएगी। यह रेटिंग एक स्टार से लेकर पांच स्टार तक होगी। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा कि डिजिटल संपर्क रेटिंग के लिए संपत्तियों को विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। ये श्रेणियां – आवासीय, सरकारी संपत्तियां, वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, अन्य निजी या सार्वजनिक क्षेत्र, स्टेडियम या खेल के मैदान या लोगों के जमा होने वाले सार्वजनिक स्थल और परिवहन गलियारे हैं। ट्राई ने एक नए रेटिंग ढांचे की रूपरेखा जारी करते हुए कहा कि 4जी (एलटीई) नेटवर्क के महत्वपूर्ण प्रसार, 5जी नेटवर्क की शुरुआत और अधिक स्पेक्ट्रम बैंड की उपलब्धता के बावजूद इमारतों के अंदर डिजिटल संपर्क का प्रसार और गुणवत्ता एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। ट्राई ने कहा कि इस मुद्दे को मुख्य रूप से सेवा प्रदाताओं और संपत्ति प्रबंधकों के सहयोग से हल किया जाना चाहिए। दूरसंचार नियामक ने बयान में कहा कि डिजिटल संपर्क रेटिंग एजेंसी (डीसीआरए) के रूप में गतिविधि शुरू करने का इरादा रखने वाली किसी भी इकाई को पात्रता मानदंडों को पूरा करने पर रेटिंग मंच पर पंजीकरण के जरिये ट्राई सूचीबद्ध करेगा।

आरबीआई गवर्नर ने कहा- क्रिप्टोकरेंसी वित्तीय स्थिरता के लिए बड़ा जोखिम

- सरकारें क्रिप्टोकरेंसी से संभावित नकारात्मक जोखिमों के बारे में भी जागरूक हो रही हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी वित्तीय स्थिरता और मौद्रिक स्थिरता के लिए बड़ा जोखिम है। उन्होंने कहा कि इससे ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में धन आपूर्ति पर नियंत्रण खो सकता है। आरबीआई गवर्नर दास ने थिंक टैंक पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स में अपनी उपस्थिति के दौरान कहा ?कि वास्तव में मेरी राय यह है कि यह ऐसी चीज है जिसे वित्तीय प्रणाली पर हावी नहीं होने दिया जाना चाहिए। क्योंकि इसमें वित्तीय स्थिरता के बड़े जोखिम हैं और यह बैंकिंग प्रणाली के लिए भी जोखिम पैदा करता है। उन्होंने कहा इससे ऐसी स्थिति भी पैदा हो सकती है जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में धन आपूर्ति पर नियंत्रण खो सकता है। दास ने कहा कि सरकारें क्रिप्टोकरेंसी से संभावित नकारात्मक जोखिमों के बारे में भी जागरूक हो रही हैं और इससे जुड़े बड़े जोखिमों को पूरी तरह से ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समझ होनी चाहिए।

उन्होंने कहा यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके बारे में मुझे लगता है कि यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यह दृष्टिकोण बहुत लोकप्रिय नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में, यह दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय है। उन्होंने कहा ?कि भारत क्रिप्टोकरेंसी के बारे में सवाल उठाने वाला पहला देश था। भारत की अध्यक्षता में जी20 में इस पूरे क्रिप्टो इकोसिस्टम से निपटने के संबंध में एक अंतरराष्ट्रीय समझ विकसित करने पर एक समझौता हुआ था। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कुछ प्रगति हुई है। दास ने कहा ?कि मुझे लगता है कि अभी और काम करने की जरूरत है। आरबीआई के दृष्टिकोण से मुझे लगता है कि हम पहले केंद्रीय बैंकों में से एक हैं जिन्होंने क्रिप्टोकरेंसी के बारे में अपनी गंभीर चिंताओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है। हम उन्हें बड़े जोखिमों, वित्तीय स्थिरता के लिए बड़े जोखिमों के रूप में देखते हैं।

पीएम मोदी के सत्ता में आने के बाद पश्चिम एशियाई देशों से संबंध बहुत बेहतर हुए : जयशंकर

इंदिरा गांधी के बाद यूएई पहुंचे पीएम मोदी

पुणे (ईएमएस)। मोदी सरकार में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पदभार संभालने के बाद से पश्चिम एशियाई देशों के साथ भारत के संबंधों में उल्लेखनीय बदलाव आया है। पुणे में एक कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री ने कूटनीतिक कोशिशों पर प्रकाश डाला। इसमें से एक उदाहरण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का है, जहां 2015 में पीएम मोदी ने यात्रा की थी यह दिवंगत इंदिरा गांधी के बाद किसी भारतीय पीएम को पहला दौरा था।

जयशंकर ने कहा कि यूएई की निकटता के बावजूद, उस देश से जुड़ने के लिए बहुत कम प्रयास किए गए। विदेश मंत्री के मुताबिक भारत का अपने पड़ोसियों के साथ एक जटिल इतिहास रहा है, लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने देशों को नई दिल्ली के साथ अपने रिश्तों पर फिर से सोचने को प्रेरित किया है, खासकर चीन के बढ़ते प्रभाव के मद्देनजर। हालांकि जयशंकर ने इस बात को खुले मन से स्वीकार किया कि कई पड़ोसी देशों ने अपने फायदे के लिए चीन की ओर रुख किया। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत की उभरती हुई आर्थिक शक्ति है और आने वाले वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है।

जयशंकर ने कहा कि चीन के साथ सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा सैनिकों की वापसी है और दूसरा मुद्दा तनाव कम करना है। उन्होंने कहा, अगर मैं इस घटनाक्रम को थोड़ा पीछे ले जाऊं, तब 2020 से सीमा पर स्थिति खराब रही, जिसका चीन के साथ रिश्तों पर बहुत नकारात्मक प्रभाव पड़ा। सितंबर 2020 से हम समाधान खोजने के तरीके पर चीनियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। समाधान के विभिन्न पहलू हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा सैनिकों की वापसी है, क्योंकि सैनिक एक-दूसरे के बहुत करीब हैं और किसी घटना की संभावना काफी है। इसलिए यह मुद्दों का पहला सेट है।विदेश मंत्री ने कहा, इसके बाद तनाव कम करना है। फिर एक बड़ा मुद्दा यह है कि आप सीमा का प्रबंधन कैसे करते हैं और सीमाओं पर कैसे बातचीत करते हैं। अभी चीन में जो कुछ भी हो रहा है, वह पहले चरण के कारण हो रहा है, जो कि पीछे हटने का फेज है। हम भारत-चीन सीमा पर गश्त के मुद्दों पर बातचीत करने की कोशिश कर रहे थे।

हमले में100इजरायली मिलिट्री प्लेन होने का दावा गलत

ईरान ने कहा- एयर अटैक को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहा इजरायल

तेहरान (ईएमएस)। ईरान ने रिपोर्टों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि हमले में सैकड़ों इजरायली प्लेन शामिल थे। ईरान ने कहा कि इस हमले में 100 इजरायली मिलिट्री प्लेन होने का दावा करने वाली रिपोर्ट पूरी तरह से झूठ है, इजरायल अपने कमजोर हमले को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने की कोशिश कर रहा है। इसे इजरायल की ओर से अपनी कार्रवाई को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने की कोशिश बताया गया।

बता दें कि ईरान पर शनिवार तड़के हुए हवाई हमले के बाद ईरानी मीडिया ने इजरायली एयर अटैक से होने वाले नुकसान को मामूली बताया है और इजरायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) पर हमले को लेकर बढ़ा-चढ़ाकर दावे करने का आरोप लगाया। रिपोर्ट में आगे दावा किया गया कि हमलों के दौरान इजरायली लड़ाकू विमानों ने ईरानी एयर स्पेस में एंट्री नहीं की और हमलों से केवल सीमित नुकसान हुआ। रिपोर्ट में इस बात से भी इनकार किया गया कि इजरायली हमले में तेहरान में इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) के ठिकानों को निशाना बनाया गया। इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने कहा, आईडीएफ ने अपना मिशन पूरा कर लिया है। अगर ईरानी शासन ने नए सिरे से तनाव बढ़ाने की गलती की, तो हम जवाब देंगे। साथ ही कहा कि आईएएफ के विमान ऑपरेशन से सुरक्षित वापस आ गए हैं। आईडीएफ ने कहा, जो लोग इजरायल को धमकी देते हैं और क्षेत्र में तनाव बढ़ाने की कोशिश करते हैं, उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। आज की कार्रवाई इजरायल राज्य और उसके नागरिकों की आक्रामक और रक्षात्मक दोनों तरह से रक्षा करने की हमारी क्षमता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बता दें ईरान ने अप्रैल और अक्टूबर में दो हमलों के दौरान इजरायल पर सैकड़ों मिसाइलें दागी थीं।

तेहरान ऑयल रिफाइनरी पर नहीं हुआ अटैक

तेहरान ऑयल रिफाइनरी के प्रवक्ता ने उन रिपोर्टों का खंडन किया कि जिसमें इस साइट पर इजरायली हमले का दावा किया गया। उन्होंने कहा कि रिफाइनरी सामान्य रूप से काम कर रही है। घटना के बाद, ईरान के वायु रक्षा बल ने हमलों की निंदा करते हुए एक बयान जारी किया, जिसमें इजरायल पर क्षेत्र में तनाव बढ़ाने का कोशिश करने का आरोप लगाया गया। बयान में इजरायल के शासन को अपराधी, नाजायज, फर्जी बताया गया और दावा किया गया कि ईरानी एयर डिफेंस ने तेहरान, खुज़स्तान और इलम प्रांतों में सैन्य स्थलों पर हमले का सफलतापूर्वक सामना किया। स्थानीय मीडिया के एक हिस्से ने बताया कि हालांकि कुछ क्षेत्रों में सीमित नुकसान हुआ, लेकिन इसकी पूरी सीमा और प्रभाव की जांच की जा रही है।

आईडीएफ ने किया था सटीक हमले का ऐलान

इससे पहले आईडीएफ ने शनिवार को ईरान में कई सैन्य ठिकानों पर सटीक और टारगेटेड हमले करने का ऐलान किया। इसके साथ ही तेहरान को चेतावनी दी कि अगर उसने तनाव बढ़ाने की गलती की तो जवाब दिया जाएगा। शनिवार सुबह इजरायली वायु सेना के सहयोग से तीन चरणों में ये हमले किए गए। यह कार्रवाई 1 अक्टूबर को तेहरान बैलिस्टिक मिसाइल अटैक का जवाब थी।

जापान में उठी अमेरिकी सैनिक को 7 साल की सजा देने की मांग

नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न का मामला

टोक्यो (ईएमएस)। जापान में नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न के मामले में एक अमेरिकी सैनिक को 7 साल की सजा देने की मांग उठी है। रिपोर्ट के मुताबिक जापानी अभियोजकों ने ओकिनावा प्रांत में एक नाबालिग लड़की के अपहरण और बलात्कार के आरोप में अमेरिकी सैनिक को कड़ी सजा देने की मांग की है।

रिपोर्टकेअनुसार, नाहा जिला अदालत में सरकारीअभियोजकों ने सुनवाई के दौरान कहा कि सुरक्षा कैमरे के फुटेज और अन्य सबूतोंसेइसकासाक्ष्य मिलता है कि प्रतिवादी ब्रेनन जानता था कि लड़की की उम्र 16 से कम है। अभियोग के अनुसार, अमेरिकी वायु सेना के सदस्य ने कथित रूप से 24दिसंबर2023को एक पार्क में लड़की से बात करने के लिए नाबालिग को अपनी कार में बैठाया था। इसके बाद अमेरिकी सैनिक लड़कीको अपने घर ले गया और वहां नाबालिग लड़की के साथ अश्लील हरकत की। सैनिक को यह पता था कि लड़की सिर्फ 16 साल की है और इसके बावजूद उसके प्राइवेट पार्ट को भी छुआ।

बता दें कि ओकिनावा में अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य ठिकाना मौजूद है, जो जापान में स्थित सभी अमेरिकी सैन्य ठिकानों का 70 फीसदी हिस्सा है। वहीं, देश के अन्य क्षेत्र में सिर्फ 0.6 प्रतिशत ही सैन्य ठिकाने मौजूद है।

धर्म परिवर्तन को लेकर भारत ने पाकिस्तान को सुनाई खरी-खरी

न्यूयॉर्क(ईएमएस)। पूरी दुनिया पाकिस्तान की हरकतों से बाकिफ उसकी अपनी करतूतें ही उसके लिए पीड़ादायक हैं। भारत ने धर्मांतरण के मामले में भारत ने पाकिस्तान को खूब खरी खरी सुना दी हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बहस में कश्मीर मुद्दा उठाने के लिए पाकिस्तान की आलोचना की और कहा कि उसकी यह हरकत गलत सूचना फैलाने और शरारतपूर्ण उकसावे वाली है।बदलते परिवेश में शांति का निर्माण कर रही महिलाओं मुद्दे पर यूएनएससी की खुली बहस में भारत ने अपना वक्तव्य दिया और बैठक बुलाने के लिए स्विट्जरलैंड को धन्यवाद दिया।

इस दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बहस को संबोधित करते हुए, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतानेनी हरीश ने कहा कि कश्मीर मुद्दा उठाने के लिए पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि यह घृणित है, फिर भी पूरी तरह से अनुमान लगा सकते है कि एक प्रतिनिधिमंडल (पाकिस्तान) ने गलत सूचना और दुष्प्रचार फैलाने के लिए शरारती उकसावे वाली अपनी रणनीति का विकल्प चुना। आगे पाकिस्तान का बिना नाम लिए कहा कि इस महत्वपूर्ण वार्षिक बहस में इस तरह के राजनीतिक प्रचार में शामिल होना पूरी तरह से गलत है। हम अच्छी तरह से जानते हैं कि उस देश में अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर हिंदू, सिख और ईसाइयों की महिलाओं की स्थिति दयनीय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं की दयनीय स्थिति पर इस्लामाबाद तो यहां जवाब देना चाहिए।

इसी के साथ हरीश ने कहा कि जैसे-जैसे हम परिषद 25वीं वर्षगांठ के करीब पहुंच रहे हैं, भारत महिला, शांति और सुरक्षा एजेंडे के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। हम मानते हैं कि स्थायी शांति के लिए राजनीति, शासन, संस्था निर्माण, कानून का शासन, सुरक्षा क्षेत्र और आर्थिक सुधार सहित निर्णय लेने के सभी स्तरों पर महिलाओं की पूर्ण समान, सार्थक और सुरक्षित भागीदारी की आवश्यकता होती है। कहने की आवश्यकता नहीं है, सामान्य रूप से जनसंख्या और विशेष रूप से महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक भलाई, स्थायी शांति का अभिन्न अंग है। पर्वतानेनी हरीश ने पाकिस्तान का बिना नाम लिए निशाना साधते हुए कहा कि उस विशेष देश के ह्यूमन राइट्स कमीशन के डेटा के अनुसार अल्पसंख्यक समुदायों की अनुमानित हजारों महिलाएं हर साल अपहरण, जबरन धर्म परिवर्तन और जबरन विवाह का शिकार होती हैं। उनको धर्मांतरण की तरफ जबरदस्ती धकेला जा रहा है। इसके बाद उन्होंने कहा कि वैसे भी, मैं आगे और बहुत कुछ कह सकता था, लेकिन मैं यहीं समाप्त करता हूं। उनकी यह टिप्पणी यूएनएससी में बहस के दौरान पाकिस्तान के प्रतिनिधि द्वारा अपनी टिप्पणी में जम्मू-कश्मीर का जिक्र करने के बाद आई है।

न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट में भारत को 113 रनों से हराकर 2-0 से सीरीज जीती

दूसरी पारी में भारतीय टीम 245 रनों पर ही सिमटी

पुणे (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी भारतीय टीम को करारी हार का सामना करना पड़ा है। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट को तीन दिनों के अंदर ही 113 रन से जीत लिया। इस मैच में जीत के लिए मिले 359 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 245 रनों पर ही सिमट गयी। इससे पहले आज सुबह न्यूजीलैंड की पारी 255 रन पर आउट हुई। इस तरह उसने भारतीय टीम को जीत के लिए 359 रनों का लक्ष्य दिया। इस मैच में कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 259 रन बनाये थे। इसके जवाब में टीम इंडिया अपनी पहली पारी में केवल 156 रन ही बना पाई। इस प्रकार मेहमान टीम को पहली पारी के आधार पर 103 रनों की अच्छी खासी बढ़त मिली हुई थी। इस मैच में जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने 2-0 से सीरीज भी जीत ली है। उसने बेंगलूर में खेला गया पहला टेस्ट भी 8 विकेट से जीता था। वहीं दूसरे दिन 16 रन पर एक विकेट गंवाकर खेल रही टीम इंडिया ने अच्छी शुरूआत की। शुभमन गिल 72 गेंदों पर 2 चौकों और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर सैंटनर की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए जबकि विराट कोहली इस मैच में विफल रहे और मात्र एक रन पर आउट हो गए। यशस्वी जायसवाल 30 रन बनाकर जबकि ऋषभ पंत 18 रन पर आउट हुए। तीसरे दिन न्यूजीलैंड टीम कल के स्कोर 5 विकेट पर 198 रन से आगे खेलते हुए255रन पर आउट हो गई। ग्लेन फिलिप्स 48 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं टॉम ब्लंडेल 83 गेंद में 41 रन बनाकर आउट हुए। टिम साउदी (0), मिचेल सेंटनेर (4) और ऐजाज पटेल (1)भी टिक नहीं पाये। कीवी टीम 69.4 ओवर में 255 रन पर आउट हो गई। इससे भारत को 359 रन का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम ने अच्छी शुरूआत की। हालांकि कप्तान रोहित रन नहीं बना पाये पर यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल ने पारी को आगे बढ़ाया और 96रन तक ले गए। शुभमन 23 रन बनाकरआऊटहुए। विराट कोहली से उम्मीदें थीं पर वह भी 17 रन ही बना पाए। ऋषभ पंत अपना खाता तक नहीं खोल पाये। जायसवाल ने 65 गेंदों पर 9 चौके और 3 छक्कों की मदद से 77 रन बनाए। वाशिंगटन सुंदर ने मध्यक्रम में 21 रन बनाए पर सेंटनर और ग्लेन फिलिप्स की गेंदों का भारतीय टीम के पास कोई जवाब नहीं था। सेंटनर ने एक बार फिर से पारी में पांच विकेट लिए। चाय तक जडेजा और अश्विन क्रीज पर थे। चाय के बाद अश्विन 34 गेंदों पर 18 तो अकाश दीप 1 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। रवींद्र जडेजा ने एक छोर संभाला और नाबाद 42 रन बनाए पर वह टीम को जीत नहीं दिला पाए। अंत में बुमराह ने भी कुछ शॉट लगाए पर तब तक मैच भारतीय टीम के हाथों से निकल गया था।

इससे पहले भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज करने का फैसला किया था। न्यूजीलैंड के पहले तीनों विकेट अश्विन ने लिए। पहले कप्तान टॉम लाथम (22 गेंदों पर 15 रन, 2 चौके) को पगबाधा किया और इसके बाद विल यंग (45 गेंदों पर 18 रन, 2 चौके) का विकेट लिया जिसमें उनका साथ विकेटकीपिंग कर रहे ऋषभ पंत ने कैच पकड़ कर दिया। तीसरा विकेट 44वें ओवर में आया जब अश्विन की गेंद पर डेवोन कॉन्वे (76 रन) पंत के हाथों कैच आउट हो गए। वाशिंगटन सुंदर ने अश्विन का साथ देते हुए लंच के बाद दो विकेट अपने नाम किए जिसमें पहला विकेट रचिन रवींद्र और दूसरा टॉम ब्लंडेल का था। सुंदर ने दोनों को बोल्ड किया। रचिन 105 गेंदों पर 5 चौकों और एक छक्के की मदद से 65 रन की अर्धशतकीय पारी खेलकर आउट हुए जबकि ब्लंडेल मात्र 3 रन ही बना सके।

नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस को 6 माह की अतिरिक्त जेल

दुबई (ईएमएस)। नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की मुश्किलें बढ़ने वाली है। उन्हें ईरान के अधिकारियों ने 6 माह की अतिरिक्त जेल की सजा सुनाई है। इस पर मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस के लिए अभियान चलाने वाले समूह फ्री नगरिस गठबंधन का बयान सामने आया है। संगठन ने कहा कि मोहम्मदी को 19 अक्टूबर को आदेशों की अवहेलना और विरोध करने के आरोप में 6 माह की अतिरिक्त जेल की सजा सुनाई गई थी।

नरगिस नोबेल शांति पुरस्कार जीतने वाली 19वीं महिला हैं, और 2003 में मानवाधिकार कार्यकर्ता शिरीन एबादी के बाद नरगिस दूसरी ईरानी महिला हैं। नरगिस ने ईरानी अधिकारियों की ओर से सलाखों और गिरफ्तारियों के पीछे सालों रहने के बावजूद अपनी सक्रियता जारी रखी है। फिलहाल उन्हें ईरान की एविन जेल में रखा गया है। बता दें कि इस जेल में राजनीतिक कैदी और पश्चिमी देशों से संबंध रखने वाले लोग रहते हैं, इसमें वे पहले से ही 30 महीने की सजा काट रही थीं, जिसमें जनवरी के 15 और महीने जोड़े गए थे।

दरअसल नरगिस को 2021 में तब हिरासत में लिया गया था, जब उन्होंने गैसोलीन की कीमतों में वृद्धि के कारण 2019 में देशव्यापी विरोध प्रदर्शन में मारे गए एक व्यक्ति के स्मारक में जाने की कोशिश की थी। सलाखों के पीछे रहने के बावजूद नरगिस का हौसला नहीं टूटा और उन्होंने एक अंग्रेजी अखबार के लिए एक ओपिनियन लिखा। उन्होंने अपने लेखों के दम पर ईरान सरकार को कई बार चुनौतियां दी हैं।

इजरायल ने दहला दिया ईरानः सुबह-सुबह 100 फाइटर जेट से तेहरान पर कर दी बमबारी

यरुशलम(ईएमएस)। इजरायल ने शनिवार को ईरान के मिलिट्री ठिकानों पर हमला बोल दिया। माना जा रहा है कि इजरायल का ये हमला 1 अक्टूबर को ईरान के हमले का जवाब है। इजरायल ने कहा कि 7 अक्टूबर 2023 के बाद से ही ईरान और उसके प्रॉक्सी इजरायल पर लगातार हमले कर रहे हैं। तेल अवीव ने कहा कि किसी भी दूसरे देश की तरह इजरायल के पास भी अपनी संप्रभुता की रक्षा करने का अधिकार है। इजरायल के मिलिट्री प्रवक्ता एडमिरल डेनियल हगारी ने लोगों से सतर्क रहने को कहा है, साथ ही इजरायली सेना ने अपने डिफेंस सिस्टम को हाई अलर्ट पर रखा है। इससे पहले ईरान ने कहा था कि उसके देश पर होने वाले किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा।

इजरायल ने शनिवार तड़के ईरान पर भीषण हमला बोला. इजरायली सेना ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि ईरान के सैन्य ठिकानों समेत तेहरान और आसपास के शहरों पर बमबारी की गई है। इजरायल की लोकल मीडिया के अनुसार ईरान पर हमला करने के लिए इजरायली सेना ने 100 से अधिक लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। इजरायल की इस कार्रवाई को ईरान की तरफ से 1 अक्टूबर को किए गए हमलों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है।

ईरान में सैन्य ठिकानों पर शनिवार के हमलों में 100 से अधिक इजरायली विमानों ने हिस्सा लिया। 2000 किमी दूर से किए गए इस हमले में एफ-35 फाइटर जेट का इस्तेमाल किया गया है। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले से पहले अमेरिका को इसकी जानकारी दे दी गई थी लेकिन वह ऑपरेशन में शामिल नहीं है।

एक अज्ञात इजरायली अधिकारी के हवाले से कहा कि इजरायल ईरानी परमाणु ठिकानों या तेल क्षेत्रों पर हमला नहीं कर रहा है। उसका फोकस सैन्य लक्ष्यों पर है। इजरायली सेना ने भी पुष्टि की है कि वह सैन्य ठिकानों को टारगेट कर रहे हैं। अधिकारी के हवाले से कहा गया, हम उन चीजों को निशाना बना रहे हैं जिनसे हमें अतीत में खतरा था या भविष्य में खतरा हो सकता है। ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल हमले के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई का समर्थन करते हुए बाइडेन प्रशासन इजरायल से ऐसे लक्ष्यों पर हमला नहीं करने का आग्रह करता रहा है। ईरान की सरकारी एजेंसी का कहना है कि सेंट्रल तेहरान में गोलाबारी की आवाज सुनी जा रही है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के मुख्यालय के पास भी धमाकों की खबर है। ईरान के साथ-साथ इराक, सीरिया और लेबनान में भी धमाके सुने गए हैं. इराक ने अगली सूचना तक सभी हवाई अड्डों पर उड़ानें निलंबित कर दीं। अमेरिका का कहना है कि उसे ईरान पर इजरायल के हमले की जानकारी है और वह स्थिति पर नजर रख रहा है।

अमेरिका को दी गई जानकारी

इजरायल का हमला लगातार जारी है। तेहरान के साथ-साथ खुजेस्तान प्रांत के दक्षिण-पश्चिमी शहरों अहवाज़ और अबादान में नए धमाकों की खबरें हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारी का कहना है कि राष्ट्रपति बाइडेन को जानकारी दे दी गई है और वह इजरायल के जवाबी हमले पर करीब से नजर रख रहे हैं। इजरायल ने नागरिक उड्डयन के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है। इजरायल ने स्थानीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे तक अपने हवाई क्षेत्र को नागरिक उड्डयन के लिए पूरी तरह से बंद करने की घोषणा की है

तीन देशों के एयरस्पेस बंद अब तक के बड़े अपडेट

1. इजरायल के हमले के बाद इराक, ईरान और इजरायल के एयर स्पेस बंद कर दिए हैं। माना जा रहा है कि ईरान पर एयर स्ट्राइक में 100 से ज्यादा फाइटर जेट शामिल थे।

2. ईरान पर हमला करने से पहले इजरायल ने अमेरिका को इस बारे में जानकारी दी। हालांकि अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा कि शनिवार को ईरान पर हुए हमले में अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है।

3. ईरान पर इजरायल के हमले के बाद अभी तक किसी के मरने की कोई खबर नहीं आई है। हालांकि पूर्वी तेहरान में शनिवार की सुबह भी चार बड़े ब्लास्ट होने की सूचना है।

4. ईरान पर इजरायल का हमला उस समय हुआ है, जब अमेरिका के गृह मंत्री एंथनी ब्लिंकेन इजरायल के दौरे पर हैं, ताकि अन्य देशों से बातचीत कर मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित की जा सके। शनिवार को दक्षिणी पूर्व लेबनान में इजरायल ने एक जर्नलिस्ट कंपाउंड पर हमला करके तीन पत्रकारों को मार दिया। इजरायल के इस हमले की पूरी दुनिया ने घोर निंदा की है।

5. ईरान की एजेंसी ने कहा है कि इजरायल के हमले का जवाब देने के लिए तेहरान पूरी तरह तैयार था। इस बात में कोई शक नहीं है कि इजरायल के हमले का मुंहतोड़ जवाब मिलेगा।

6. इजरायल के हमले को देखते हुए इराक ने अपने सभी एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स का ऑपरेशन सस्पेंड कर दिया है। इजरायल सिर्फ ईरान से ही नहीं बल्कि लेबनान और सीरिया से भी सीधे लड़ रहा है।

7. ईरान पर इजरायल के हमले को अमेरिका ने सेल्फ डिफेंस करार दिया है। अमेरिका ने कहा है कि इजरायल ने हमला करने से पहले वॉशिंगटन को इसकी जानकारी दी थी।

8. खबरों के मुताबिक ईरान और सीरिया के साथ इजरायल ने इराक को भी निशाना बनाया। माना जा रहा है कि कम से कम 6 ठिकानों पर बम बरसाए गए हैं।

9. वहीं स्थानीय मीडिया ने सीरिया में भी इजरायल के हमले की खबर है। हमले के बाद ईरान के कोम शहर में अफरातफरी का माहौल है।

10. शनिवार की सुबह इजरायल की ओर से ईरान की राजधानी तेहरान और पास के शहरों में 5 से 10 विस्फोट की खबरें आईं। बाद में इजरायल ने इसे सेल्फ डिफेंस में किया गया हमला करार दिया।

हिसाब बराबर अब सैन्य टकराव खत्म हो

वाशिंगटन,(ईएमएस)। ईरान पर इजराल ने एक बड़ा हमला किया है, जिसके फौरन बाद ही अमेरिका ने एक बयान में कहा कि अब हिसाब बराबर हो चुका है और इसी के साथ प्रत्यक्ष सैन्य टकराव खत्म हो जाना चाहिए। इसी के साथ अमरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि यदि इसके बाद उसने कोई कार्रवाई की तो उसे अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा।

ईरान को जवाब देते हुए इजराइल के हमले के बाद ईरान और इजराइल के बीच तनाव और ज्यादा बढ़ गया है। ऐसे में अमेरिका ने कहा है कि अब प्रत्यक्ष सैन्य टकराव को समाप्त होना चाहिए। व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, इजराइल के सैन्य अभियान के बाद अब दोनों देशों के बीच हिसाब बराबर हो चुका है, और आगे किसी भी प्रत्यक्ष हमले की आवश्यकता नहीं है। अमेरिका ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि इजराइल पर कोई भी जवाबी हमला अंजाम भुगतने जैसा होगा।

इस बयान से पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने पूरे अभियान की जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि इजराइली सैन्य अभियान व्यापक, सटीक और लक्षित था, और इसमें अमेरिका की कोई संलिप्तता नहीं है। यहां व्हाइट हाउस ने कहा है कि अन्य सहयोगी देशों ने भी दोनों पक्षों से सैन्य संघर्ष रोकने की अपील की है, ताकि क्षेत्रीय स्थिरता बनी रहे।

वडोदरा के इन 33 रूटों पर दो दिन रहेगा डायवर्जन, भारत-स्पेन पीएम के दौरे को लेकर पुलिस का ऐलान

वडोदरा,26 अक्टूबर,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के पीएम वडोदरा शहर के खोडियार नगर इलाके में टाटा एयरक्राफ्ट स्टेशन के उद्घाटन समारोह सहित एक कार्यक्रम के लिए संस्कारनगरी का दौरा कर रहे हैं। यातायात बाधित न हो इसके लिए पुलिस आयुक्त ने नो पार्किंग एवं वैकल्पिक व्यवस्था की घोषणा प्रकाशित की है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के पीएम पेड्रो 27 अक्टूबर को वडोदरा के आईटीसी वेलकम होटल अलकापुरी और सैदीपनगर टाटा एयरक्राफ्ट स्टेशन और लक्ष्मी विलास पैलेस पहुंचने वाले हैं। हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद, वह हरानी हवाई अड्डे से चले गए, हवाई अड्डे सर्कल से अमितनगर ब्रिज, एल एंड टी सर्कल, ई.एमई सर्कल, फतेगंज ब्रिज, पंडया ब्रिज, अटल ब्रिज, जीईबी सर्कल, बाएं, एक्सप्रेस होटल, यू-आरटीन चार बजे गए। सड़कें। आईटीसी वेलकम होटल, अलकापुरी को लें।

फिर आईटीसी वेलकम होटल, जीईबी सर्कल से अटल ब्रिज से पंडया ब्रिज, फतेगंज ब्रिज, एयरपोर्ट सर्कल से नटवरनगर तीन सड़कें (नई वीआईपी रोड) साईदीपनगर तीन सड़कें साई दीपनगर, टाटा एयरक्राफ्ट स्टेशन, साईदीप नगर एयरक्राफ्ट स्टेशन से, एयरपोर्ट सर्किल से सीधे अमितनगर ब्रिज से एवी एंड टी सर्कल, एमई सर्कल, फतेगंज ब्रिज के नीचे से जुनावुडा सर्कल तक, फतेगंज सर्कल से, नरहरि सर्कल, कालाघोड़ा सर्कल, बड़ौदा ऑटो मोबाइल, जेल रोड, भीमनाथ ट्रैफिक सिग्नल तीन सड़कें, रेलवे मुख्यालय तीन सड़कें, महारानी नर्सिंग होम सड़क से चार सड़कें राजमहल मेनगेट से सीधे तीन रास्ते, फिर लक्ष्मी विलास पैलेस आएगा।

लक्ष्मी विलास पैलेस से राजमहल गेट महारानी नर्सिंग होम चार सड़क रेलवे मुख्यालय से जेल रोड, भीमनाथ ट्रैफिक सिग्नल तीन सड़क बड़ौदा ऑटो मोबाइल कालाघोड़ा सर्कल, नरहरि सर्कल फतेगंज सर्कल से पंडया ब्रिज से अटल ब्रिज से अटल ब्रिज जीईबी सर्कल से एक्सप्रेस होटल चार सड़क यू ले जाएं बारी आईटीसी वेलकम होटल आएगी. फिर आईटीसी वेलकम होटल से हरानी एयरपोर्ट जाएंगे।

इस अवसर पर जनता को असुविधा से बचाने और यातायात के सुचारू संचालन के लिए नो-पार्किंग और नो-एंट्री, सुरक्षा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था जारी करने की आवश्यकता है। इसलिए पुलिस आयुक्त नरसिम्हा कोमार ने 27 अक्टूबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक और 28 अक्टूबर को सुबह 6 बजे से कार्यक्रम संपन्न होने तक यातायात व्यवस्था को लेकर अधिसूचना जारी की है.

कल शाम एक दुकान में आग लगने के बाद मार-पिटाई के कारण वडोदरा के वाडी पुलिस स्टेशन के रिकॉर्ड रूम में आग लग गई

वडोदरा,26 अक्टूबर,

वादी पुलिस स्टेशन में आग: वडोदरा के चार दरवाजा इलाके में देर शाम एक दुकान में आग लगने के बाद आज सुबह दुकान से सटे वादी पुलिस स्टेशन के रिकॉर्ड रूम में भी आग लग गई.

गांधीगेट दरवाजा के पास वाडी पुलिस स्टेशन से सटी एक ब्रांडेड कंपनी की गद्दे की दुकान में कल शाम आग लग गई। चारों तरफ जाम होने पर पुलिस बचाव में आई और डेढ़ से दो घंटे की मशक्कत के बाद रात करीब नौ बजे आग पर काबू पाया।

उक्त घटना के बाद आज सुबह वाड़ी पुलिस स्टेशन की दूसरी मंजिल पर स्थित रिकॉर्ड रूम में फायर ब्रिगेड की मदद ली गई. हालांकि कल आग लगने की घटना के बाद बिजली कनेक्शन काट दिया गया था, लेकिन आज आग लगना आश्चर्य की बात है.फायर ब्रिगेड का मानना है कि कल लगी आग के कारण रात भर दीवारें गर्म होने के कारण दीवार से सटे रिकॉर्ड रूम में फाइलें जल गईं। पुलिस इस कमरे में हुए नुकसान का ब्योरा जुटा रही है.

प्रधानमंत्री के आगमन से पहले सीडीसी कंपनी के डोर-टू-डोर कर्मचारियों ने हड़ताल की

वडोदरा,26 अक्टूबर

वडोदरा शहर के पूर्वी क्षेत्र में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहनों के ठेकेदार केंद्र विकास और संचार (सीडीसी) के कर्मचारी दो महीने का बकाया वेतन नहीं मिलने के बावजूद अचानक बिजली गुल होने के कारण आज हड़ताल पर चले गए और बोनस है प्रधानमंत्री के आगमन में 50 घंटे से भी कम समय बचा है, ऐसे में सफाई का बड़ा मुद्दा खड़ा हो गया है। साथ ही दिवाली-नववर्ष के त्योहारों के दौरान जगह-जगह कूड़े के ढेर लगने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। संविदा सफाई कर्मियों की समस्या का समाधान नहीं होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी गयी है.

गौरतलब है कि शहर भर में घर-घर से कूड़ा उठाने के लिए नगर पालिका द्वारा ठेका दिया गया है और ठेकेदार ने ऊंचे वेतन पर सफाईकर्मी रखे हैं। करीब 250 सफाईकर्मी वैन के जरिए घर-घर से कूड़ा इकट्ठा करते हैं और कूड़े से भरी वैन को निर्धारित स्थानों पर खाली कर देते हैं। ऐसे प्रत्येक संविदा कर्मचारी को 5000 रुपये से लेकर 8000 रुपये तक अलग-अलग वेतन देकर भेदभाव किया जाता है। सफाई कर्मियों को अभी तक पिछले दो माह का वेतन व बोनस का भुगतान नहीं किया गया है. इस संबंध में पहले भी ठेकेदार के समक्ष अभ्यावेदन दिया जा चुका है। अगर मजदूरों में कोई संविदा कर्मी है जो चुपचाप काम करता है। आरोप है कि अगर वे अपनी समस्या रखते हैं तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाता है. ठेकेदार द्वारा वेतन भुगतान में असमानता के आरोप लगाए जाने के बावजूद सरकार द्वारा हाल ही में कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी के बावजूद ठेकेदार द्वारा सफाईकर्मियों के वेतन में कोई वृद्धि नहीं की गई है। पहले दिए गए ज्ञापन के बावजूद हमारी समस्याओं का समाधान नहीं होने पर संविदा कर्मचारी आज सुबह से बिजली हड़ताल पर चले गए हैं।

अब जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और स्पेन के प्रधानमंत्री अगले दो दिनों में शहर में मेहमान बनने वाले हैं तो नगर पालिका शहर की रंगाई-पुताई के साथ ही सड़कों की सफाई का अभियान चला रही है। फिर सफाईकर्मियों की बिजली हड़ताल से नगर निगम व्यवस्था पर अब एक और जिम्मेदारी आ गयी है. नतीजा, सफाईकर्मियों की हड़ताल को तत्काल सुलझाने के लिए अधिकारी व पदाधिकारी भाग-दौड़ कर रहे हैं. इस बीच दिवाली और नए साल का त्योहार भी करीब है और जब गिनती के दिन बचे हों तो घर-घर से कूड़ा साफ करने और सफाईकर्मियों द्वारा कूड़ा न उठाए जाने को लेकर कई सवाल उठें तो कोई आश्चर्य नहीं होगा. यह भी चर्चा है कि प्रधानमंत्री आने वाले हैं और कर्मचारी हड़ताल पर हैं, इसमें कोई राजनीतिक हस्ती शामिल है.

शिक्षा जगत के कलंकित करनेवाली एक और घटना आई सामने, शिक्षक ने छात्रा से की छेड़छाड़

दाहोद (ईएमएस) गुजरात में फिर एक बार शिक्षा क्षेत्र को शर्मसार करनेवाली एक और घटना सामने आई हैं दाहोद की आश्रम शाला में 16 वर्षीय छात्रा के साथ शिक्षक ने शारीरिक छेड़छाड़ की छात्रा के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आगे की कार्यवाही शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक दाहोद की आश्रम शाला में 16 वर्षीय छात्रा भी पढ़ाई करती हैं आश्रम शाला के शिक्षक ने छात्रा को भोजन के बहाने एकांत में बुलार्या जहां उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ करने लर्गे शिक्षक की इस हरकत से डरी छात्रा ने चीखना चिल्लाा शुरू कर दिर्या छात्रा के चीखने चिल्लाने से शिक्षक घबरा गया और उसने छात्रा को छोड़ दिर्या छात्रा के अभिभावक को जब घटना की जानकारी हुई तो उन्होंने दाहोद पुलिस थाने में शिक्षक के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दीं जिसके आधार पर पुलिस ने शारीरिक छेड़छाड़, एट्रोसिटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिर्या स्कूल में पढ़ने वाले अन्य छात्रों ने भी शिक्षक पर गंभीर आरोप लगाए हैं छात्रों का आरोप है कि शिक्षक हमेशा विद्यार्थियों की माता-बहनों का नाम लेकर अपशब्दों का उपयोग करता हैं इतना ही नहीं बगैर किसी कारण विद्यार्थियों के साथ मारपीट भी करता हैं दाहोद पुलिस मामले की जांच में जुट गई हैं

अहमदाबाद में 48 अवैध बांग्लादेशी प्रवासी पुलिस हिरासत में

अहमदाबाद (ईएमएस)। अहमदाबाद पुलिस की अपराध शाखा ने शहर के विभिन्न इलाकों में अवैध रूप से रह रहे 48 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने बताया कि इन बांग्लादेशी नागरिकों को स्वदेश वापस भेज दिया जाएगा। यह कार्रवाई दो मामलों के उजागर होने के कुछ सप्ताह बाद की गई, जिनमें फर्जी पहचान बनाने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया था और बांग्लादेश से मानव तस्करी के तहत महिलाओं को भारत लाया गया था तथा यहां वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर किया गया था। सहायक पुलिस आयुक्त भरत पटेल ने बताया कि इन दो मामलों में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, इसके बाद हमने कई स्थानों पर छापे मारे और करीब 250 बांग्लादेशी नागरिकों से पूछताछ की। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद पाया गया कि 48 लोग पिछले कुछ वर्षों से बिना किसी वैध दस्तावेज के शहर में अवैध रूप से रह रहे हैं। आठ महिलाओं और छह नाबालिगों सहित अवैध प्रवासियों को चंदोला झील, दानी लिमडा, शाह-ए-आलम और कुबेरनगर जैसे क्षेत्रों से पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि कार्रवाई के बारे में सूचना मिलने के बाद कई बांग्लादेशी नागरिक हिरासत में लिए जाने के डर से बस्ती छोड़कर भाग गए। कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है और संबंधित केंद्रीय एजेंसियों की मदद से इन अवैध प्रवासियों को उनके देश वापस भेज दिया जाएगा।

शादी की लालच देकर मुंबई के युवक ने युवती का एक साल तक किया यौन शोषण

सूरत (ईएमएस) शहर के सारोली क्षेत्र में रहनेवाली एक युवती को अपने प्रेमजाल में फांसकर उससे शादी करने की लालच देकर मुंबई के युवक ने एक साल तक उसका यौन शोषण किर्या एक साल तक युवती को अपनी हवस का शिकार बनाने के बाद युवक ने बगैर शादी उसे छोड़ दिर्या आखिरकार मामला थाने पहुंचा और पुलिस ने युवक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की हैं जानकारी के मुताबिक उत्तर प्रदेश का मूल निवासी अविनाश दिनेश मिश्रा नामक युवक मुंबई के भिवंडी क्षेत्र की सिद्धि विनायक रेसिडेंसी में रहता हैं अविनाश का सूरत के सारोली क्षेत्र में रहनेवाली एक युवती से संपर्क हुर्आ जिसके बाद दोनों के बीच बातचीत होने लगी और दोस्ती हो गईं अविनाश ने युवती से कहा कि वह उसके बिना रह नहीं सकता, पूरी जिंदगी उसके साथ बिताना चाहता हैं शादी की लालच देकर अविनाश ने युवती को अपने प्रेमजाल में फांस लिर्या युवती के फंसने के बाद अविनाश उसे सूरत के सारोली क्षेत्र की सिक्योर इन होटल में ले गर्या जहां युवती से कहा कि हम दोनों शादी करने वाले हैं, ऐसे में फिजिकल रिलेशन रखना कुछ गलत नहीं हैं अविनाश ने कहा कि शादी बाद शारीरिक संबंध बनाओ या पहले उससे कोई फर्क नहीं पड़र्ता हम दोनों के घर में शादी की बात हो चुकी है, इसलिए फिजिकल रिलेशन बनाने में कोई दिक्कत नहीं हैं अविनाश की चिकनी चुपड़ी बातों में युवती फंस गई और उसे अपना सब कुछ सौंप दिर्या जिसके बाद एक साल तक अविनाश ने जब मन चाहा तब युवती को अपनी हवस का शिकार बनाया और बाद में उसे छोड़ दिर्या सब कुछ गंवाने के बाद होश में आई युवती ने आखिरकार अपनी वकील बहन को पूरी घटना बताईं

वडोदरा के कमाटीबाग चिड़ियाघर में भालू, वेनियर और सियार का आगमन

वडोदरा,26 अक्टूबर

पिछले हफ्ते बाघ और बाघिन के एक जोड़े के आगमन के बाद, वडोदरा नगर निगम के कमातीबाग चिड़ियाघर ने पर्यटकों के आकर्षण को बढ़ाने के लिए एक भालू लाया है। भालू के साथ-साथ वेनियर और सियार को भी पेश किया गया है। भालू को पशु विनिमय कार्यक्रम के तहत सूरत से वडोदरा के चिड़ियाघर में लाया गया है।

दो साल पहले कमाटीबाग में एक हिमालयन भालू की वृद्धावस्था में मौत हो गई थी, तब से यहां एक भी भालू नहीं है। 30 जून, 2022 को हिमालयन भालू की सांसें धीमी हो गईं और बाद में उसकी मौत हो गई। भालू की उम्र करीब 33 साल थी. जिसे एक आँख अच्छे से देख सकती थी. उनकी दूसरी आंख में मोतियाबिंद था.

हिमालयन भालू को वर्ष 2008 में वडोदरा लाया गया था। भालू एक शेडयूल का जानवर है। हिमालयन भालू की मौत के बाद, वडोदरा चिड़ियाघर के अधिकारियों ने भालू का एक जोड़ा लाने की कोशिश शुरू कर दी।

चिड़ियाघर के क्यूरेटर डॉ. प्रत्यूष पाटनकर ने कहा कि आम तौर पर केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण एक भालू को अनुमति नहीं देता है। यह केवल जोड़े की अनुमति देता है। वडोदरा कॉर्पोरेशन को भालू के लिए झू प्राधिकरण द्वारा सशर्त मंजूरी दी गई है।

वडोदरा में पिंजरे तैयार थे लेकिन भालू नहीं था. वडोदरा का भालू मादा है, और नर भालू के छह से आठ महीने में वडोदरा पहुंचने की गारंटी है। जेसोर, अरावली बेल्ट, बनासकांठा, रत्नमहल और केवड़िया का वन क्षेत्र भालू का प्राकृतिक आश्रय स्थल है। सूरत से जो भालू लाया गया है वह स्लॉथ बियर यानी गुजरात के जंगलों में पाया जाने वाला भालू है. बदले में सूरत को तोते के एक जोड़े के साथ-साथ नीलगाय और चित्तीदार हिरण भी दिए जाएंगे।

बगुले के अलावा, पेंटेड स्ट्रोक और कंकनसार पक्षियों को भी झू में लाया गया है। इसके अलावा एक वैनियर जानवर भी पेश किया गया है. रात्रिचर प्राणी होने के कारण इसे पाम कैट कहा जा सकता है। सूरत में इस भालू को 'सिद्धि' नाम दिया गया। वडोदरा में भी इसे इसी नाम से जाना जाएगा। चिड़ियाघर में अब भालू प्रदर्शित नहीं किये जायेंगे। चिड़ियाघर के नियमों के मुताबिक, उसे अभी क्वारंटाइन में रखा जाएगा। यहां के वातावरण से अभ्यस्त होने के बाद पर्यटक दिवाली के बाद वडोदरा आ सकेंगे। भालू के लिए झू प्राधिकरण द्वारा सशर्त मंजूरी दी गई है।

गुजरात के 8 शहरों की संपत्ति के लिए सरकार का बड़ा फैसला, नॉन टीपी जमीन के लिए दी ये रियायत

- सरकार के इस फैसले से निर्माण क्षेत्र में प्रॉपर्टी की कीमतों में आएगी गिरावट, मध्यम वर्ग के परिवारों को मिलेगा सीधा लाभ

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के 8 शहरों और भरूच-अंकलेश्वर शहरी विकास प्राधिकरण के क्षेत्रों में शामिल गैर-टीपी (टाउन प्लानिंग) क्षेत्र के भूमि धारकों को वर्तमान में देय प्रीमियम में राहत प्रदान करने वाला महत्वपूर्ण निर्णय किया है। इस निर्णय के अनुसार, डी-1 श्रेणी में आने वाले अहमदाबाद शहरी विकास प्राधिकरण (औडा), गांधीनगर शहरी विकास प्राधिकरण (गुडा), सूरत शहरी विकासक प्राधिकरण (सुडा), वडोदरा शहरी विकास प्राधिकरण (वुडा) और राजकोट शहरी विकास प्राधिकरण (रुडा) तथा डी-2 श्रेणी में आने वाले जूनागढ़ शहरी विकास प्राधिकरण (जुडा), जामनगर शहरी विकास प्राधिकरण (जाडा) और भावनगर शहरी विकास प्राधिकरण (भाडा) के क्षेत्रों के अलावा भरूच-अंकलेश्वर शहरी विकास प्राधिकरण के क्षेत्रों में शामिल गैर-टीपी क्षेत्र में 40 फीसदी कटौती के बाद 60 फीसदी भूमि पर प्रीमियम वसूल किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के इस निर्णय के परिणामस्वरूप राज्य के डी-1 और डी-2 श्रेणी के 8 शहरों और भरूच-अंकलेश्वर शहरी विकास प्राधिकरण के क्षेत्रों में शामिल गैर-टीपी क्षेत्र के भूमि धारकों को कटौती में जाने वाली भूमि पर देय प्रीमियम से मुक्ति मिलेगी और उन्हें 40 फीसदी कटौती के नियम के बाद केवल बाकी बचे निर्दिष्ट भूखंड के अंतिम हिस्से के क्षेत्र पर ही प्रीमियम देना होगा। भूपेंद्र पटेल के इस जनहितैषी निर्णय से गैर-टीपी क्षेत्र में 40 फीसदी कटौती की जमीन पर देय राजस्व प्रीमियम की राशि से मुक्ति मिलने के कारण निर्माण क्षेत्र में प्रॉपर्टी की कीमतों में गिरावट आएगी और उसका सीधा लाभ मध्यम वर्ग के परिवारों को मिलेगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष ऐसे अनेक मामले आए थे, जिनमें राज्य में इन शहरी विकास प्राधिकरणों में शामिल क्षेत्रों में ऐसे गैर-टीपी क्षेत्रों जहां नगर नियोजन योजना की घोषणा नहीं हुई है, वहां 40 फीसदी भूमि कटौती के बाद प्लॉट वैलिडेशन सर्टिफिकेट यानी भूमि सत्यापन प्रमाण पत्र जारी कर भूखंड के अंतिम हिस्से का आवंटन किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप कब्जेदार को अंतिम हिस्से के रूप में 60 फीसदी और संबंधित प्राधिकरण को कटौती के रूप में 40 फीसदी भूमि संप्राप्त होती है। ऐसे मामलों में कब्जेदार से शेष बची 60 फीसदी भूमि या वास्तविक कटौती के बाद बची भूमि के लिए ही कृषि से कृषि और कृषि से गैर-कृषि भूमि रूपांतरण के लिए प्रीमियम वसूल करना चाहिए। इतना ही नहीं, जिन क्षेत्रों में टीपी लागू है, वहां कटौती और मिलने योग्य भूमि के नियम का अनुपात 40 और 60 फीसदी का है। इसी प्रकार, जहां विकास योजना (डीपी) लागू हुई हो, वहां भी यही 40-60 फीसदी का अनुपात रखना चाहिए। मुख्यमंत्री के समक्ष ऐसी शिकायतें भी आई थीं कि वर्ष 2018 के प्रस्ताव के प्रावधानों के अनुसार टीपी क्षेत्र या ऐसा क्षेत्र जहां टीपी लागू करने की मंशा व्यक्त की गई है, वहां 'एफ' फॉर्म के क्षेत्रफल के अनुसार या 40 फीसदी कटौती के नियम को ध्यान में रखकर भूखंड के अंतिम हिस्से पर कृषि से कृषि और कृषि से गैर-कृषि का प्रीमियम वसूल करना निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार, गैर-टीपी क्षेत्र में भी 40 फीसदी कटौती के नियम को ध्यान में रखकर बाकी बची भूमि के क्षेत्रफल के आधार पर प्रीमियम वसूल किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने उनके समक्ष आए इन विभिन्न मामलों का व्यापक अध्ययन करने के बाद उस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए यह महत्वपूर्ण निर्णय किया है।

वडोदरा में 9.06 लाख की शराब के साथ 5 गिरफ्तार

वड़ोदरा,26 अक्टूबर

वड़ोदरा शराब अपराधः राज्य निगरानी ने वडोदरा में वाघोडिया रोड चार रास्ता के पास नूरमावास योजना के घर पर छापा मारा और 9,00,000 रुपये की शराब के साथ पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि छह अन्य आरोपियों को वांछित घोषित किया गया है।

स्टेट मॉनिटरिंग सेल को सूचना मिली कि वाघोडिया रोड नूरम आवास योजना के मकान में रहने वाले आरोपी भावेश चंद्रकांत राजपूत ने बड़ी मात्रा में विदेशी शराब का ऑर्डर दिया है और वडोदरा के शराब तस्कर गाड़ियां लेकर उसके पास शराब खरीदने आने वाले हैं, इसलिए मॉनिटरिंग सेल की टीम ने निगरानी रखी और छापेमारी कर पांच आरोपियों को पकड़ लिया. जिसमें (1) भावेश राजपूत (2) नीरव भरतभाई पटेल (निवासी विश्वकर्मा गांधी कॉटेज, वाघोडिया रोड) (3) केतन जीतेंद्रभाई राणा (निवासी आशापुरी नगर, वडोदरा) (4) आतिश विनोदभाई ठाकोर (निवासी जय नारायण नगर प्रताप नगर, वडोदरा)) और (5) जयेश ईश्वरभाई कहार (नर्म आवास योजना घर, वडोदरा में रहते हैं)।

गुजरात एटीएस ने पोरबंदर से पकड़ा पाकिस्तानी जासूस, संवेदनशील सूचनाएं भेजता था

पोरबंदर (ईएमएस) गुजरात एन्टी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) को बड़ी सफलता मिली हैं एटीएस ने पोरबंदर से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया हैं जो देश की संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान को भेजता र्था गिरफ्तार शख्स की पूछताछ में बड़े खुलासे हो सकते हैं बता दें कि इस साल मई महीने में पोरबंदर से एक पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार किया गया था, जो झगड़िया स्थित एक कंपनी से मिसाइल और ड्रोन समेत डिजाइन की जानकारी पाकिस्तान से साझा करता र्था इतना ही नहीं गुजरात समेत देश की भी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान भेजता र्था अब गुजरात एटीएस ने एक और पाकिस्तानी जासूस को गिरफ्तार कर लिया हैं पंकज कोटिया नामक शख्स पोरबंदर में रहकर पाकिस्तान के लिए जासूसी करता र्था तिम्बाकू की फैक्ट्री में काम करने वाले पंकज कोटिया पिछले एक साल से पोरबंदर के जेटी पर कोस्टगार्ड की शिप पर वेल्डिंग समेत अन्य छुटपुट मजदूरी भी करता र्था पंकज कोटिया की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि वह किसी रिया नामक महिला के साथ संपर्क में र्था पंकज कोटिया ने इस महिला को कोस्टगार्ड शिप की संवेदनशील जानकारी दी र्थी यह सिलसिला पिछले 8 महीने से चल रहा र्था जांच में पता चला कि पंकज कोटिया का रिया से संपर्क फेसबुक के माध्यम से हुआ र्था रिया ने पंकज को बताया कि वह मुंबई की है और पाकिस्तानी नेवी के लिए काम करती हैं रिया के पास जो नंबर था वह भारत का र्था रिया ने रु. 26 हजार की रकम पंकज लोटिया को ऑनलाइन ट्रांसफर भी किया र्था

पंकज कोटिया नामक शख्स पोरबंदर में रहकर पाकिस्तान के लिए जासूसी करता र्था तिम्बाकू की फैक्ट्री में काम करने वाले पंकज कोटिया पिछले एक साल से पोरबंदर के जेटी पर कोस्टगार्ड की शिप पर वेल्डिंग समेत अन्य छुटपुट मजदूरी भी करता र्था पंकज कोटिया की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि वह किसी रिया नामक महिला के साथ संपर्क में र्था पंकज कोटिया ने इस महिला को कोस्टगार्ड शिप की संवेदनशील जानकारी दी र्थी यह सिलसिला पिछले 8 महीने से चल रहा र्था जांच में पता चला कि पंकज कोटिया का रिया से संपर्क फेसबुक के माध्यम से हुआ र्था रिया ने पंकज को बताया कि वह मुंबई की है और पाकिस्तानी नेवी के लिए काम करती हैं रिया के पास जो नंबर था वह भारत का र्था रिया ने रु. 26 हजार की रकम पंकज लोटिया को ऑनलाइन ट्रांसफर भी किया र्था

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी तीन फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

अहमदाबाद (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योगहारी सीजन के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए विशेष किराये पर तीन फेस्टिवल स्पेरशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार विशेष ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09003 मुंबई सेंट्रल-दिल्ली सुपरफास्ट स्पेशल हर मंगलवार और शुक्रवार को मुंबई सेंट्रल से 10.30 बजे रवाना होगी और अगले दिन 08.45 बजे दिल्ली पहुंचेगी। यह ट्रेन 29 अक्टूबर, 2024 से 12 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09004 दिल्ली-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल हर बुधवार और शनिवार को दिल्ली से 11.45 बजे रवाना होगी और अगले दिन 12.00 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 30 अक्टूबर 2024 से 13 नवंबर, 2024 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, वलसाड,सूरत,वडोदरा, अहमदाबाद, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, अजमेर, जयपुर, दौसा, अलवर, रेवाड़ी और गुड़गांव स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर और एसी 3-टियर कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09017 उधना-महुवा स्पेशल बुधवार, 30 अक्टूबर, 2024 को उधना से 21.40 बजे रवाना होगी और अगले दिन 09.10 बजे महुवा पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09018 महुवा-उधना स्पेशल गुरुवार, 31 अक्टूबर, 2024 को महुवा से 13.15 बजे रवाना होगी और अगले दिन 04.00 बजे उधना पहुंचेगी।यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, गांधीग्राम, बावला, ढोलका, धंधुका, बोटाद, निंगाला, ढोला, धासा, दामनगर, लिलिया मोटा, सावरकुंडला और राजुला स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 05018 उधना- मऊ सुपरफास्ट स्पेशल हर रविवार को उधना से 15.00 बजे रवाना होगी और अगले दिन 21.00 बजे मऊ पहुंचेगी। यह ट्रेन 27 अक्टूबर, 2024 से 10 नवंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्याब 05017 मऊ - उधना स्पेशल हर शनिवार को मऊ से 05.30 बजे रवाना होगी और अगले दिन 12.30 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 26 अक्टूबर, 2024 से 9 नवंबर, 2024 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, रतलाम, नागदा, शामगढ़,भवानी मंडी, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा फोर्ट, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाह नगर, बाराबंकी, गोंडा, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, भटनी, सलेमपुर और बेलथरा रोड स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09003, 09017 और 09018 के लिए बुकिंग 27 अक्टूबर, 2024 से शुरू होगी, जबकि ट्रेन संख्या 05018 के लिए बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू है। ट्रेन के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया ै.हलिब्रिग्र्हींिगुदन्ग्ह पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भावनगर के बाजारों में व्यापारियों के लिए दिवाली बेहतर रही

भावनगर,26 अक्टूबर

रोशनी के त्योहार दीपोत्सव में अब कुछ ही दिन बचे हैं, ऐसे में शहर के अधिकांश बाजारों में देर शाम तक खरीदारी का रंग-बिरंगा माहौल होने से व्यापारियों में उत्साह का माहौल है। हर कोई बाजारों में खरीदारी की विशेष लहर महसूस कर रहा है क्योंकि वेतन और बोनस पाने वाले निजी और सरकारी कर्मचारी अपने परिवार के साथ खरीदारी करने जा रहे हैं।

जैसे-जैसे प्रकाश का महान त्योहार दिवाली नजदीक आ रही है, भावनगर शहर और जिले के विभिन्न तालुक केंद्रों के अधिकांश बाजार उन ग्राहकों की भीड़ से गुलजार हो रहे हैं जो थोक खरीदारी करने के लिए स्थानीय और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं।

पश्चिम रेलवे विभिन्न स्थानों के लिए त्यौहार विशेष ट्रेनें चलाएगा

ट्रेन नं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियाँ	प्रस्थान	आगमन
09003	मुंबई सेंट्रल - दिल्ली (द्वि साप्ताहिक सुपरफास्ट)	29.10.2024 से 12.11.2024 तक	10:30 बजे (मंगल और शुक्र)	08:45 बजे (अगले दिन)
09004	दिल्ली - मुंबई सेंट्रल (द्वि साप्ताहिक सुपरफास्ट)	30.10.2024 से 13.11.2024 तक	11:45 बजे (बुध और शनि)	12:00 बजे (अगले दिन)
पड़ावः बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, मारवाड़, अजमेर, जयपुर, दौसा, अलवर, रेवाड़ी और गुड़गांव स्टेशनों दोनों दिशाओं में रुकेगी।				
संरचनाः एसी2-टियर, एसी3-टियर कोच।				
09003	उधना - महुवा	30-10-2024	21:40 बजे (बुधवार)	09:10 बजे (अगले दिन)
09004	महुवा - उधना	31-10-2024	13:15 बजे (गुरुवार)	04:00 बजे (अगले दिन)
पड़ावः सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, गांधीग्राम, बावला, ढोलका, धंधुका, बोटाद, निंगाला, ढोला, ढासा, दमनगर, लिलिया मोटा, सावरकुंडला और राजुला स्टेशन दोनों दिशाओं में।				
संरचनाः स्लीपर श्रेणी और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				
05018	उधना- मऊ (साप्ताहिक सुपरफास्ट)	27.10.2024 से 10.11.2024 तक	15:00 बजे (रविवार)	21:00 बजे (अगले दिन)
05017	मऊ - उधना (साप्ताहिक सुपरफास्ट)	26.10.2024 से 09.11.2024 तक	05:30 बजे (शनिवार)	12:30 बजे (अगले दिन)
पड़ावः वडोदरा, रतलाम, नागदा, शामगढ़, भवानी माई, कोटा, गंगापुर सिटी, बयाना, आगरा किला, तुला, कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, गोवा, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, भटनी, सलेमपुर या बेल्थरा दोनों दिशाओं में रोड स्टेशन.				
संरचनाः एसी3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।				

समय, पड़ाव और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry. Indianrail.gov.in पर जा सकते हैं

ट्रेन संख्या 09003, 09017 और 09017 के लिए बुकिंग 09018 27.10.2024 से खुलेगा, बुकिंग करते समय ट्रेन संख्या 05018 के लिए सभी पीआरएस काउंटर खुले हैं और IRCTC की वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त ट्रेनें इस प्रकार चलेंगी विशेष किराये पर विशेष रेलगाड़ियां।

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
हमें यहां लाइक करें facebook.com/WesternRly
हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रमाण साथ रखें

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रात:कालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96